PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 242 ● भिलाई, शनिवार 04 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

शादी के जोड़े में पति-पत्नी की लाश मिलने से सनसनी

सागर। मध्य प्रदेश सागर जिले के रहली थाना क्षेत्र में एक दुखद आत्महत्या का मामला सामने आया है। ग्राम मुठिया चांदपुर में नवविवाहित जोड़े ने शादी के कपड़े पहनकर एक ही रस्सी से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान 21 वर्षीय राजेंद्र उर्फ़ गोलू और उसकी 22 वर्षीय पत्नी काजल पटेल के रूप में हुई है। दोनों की शादी मात्र 3 साल पहले हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। पुलिस के अनुसार दोनों ने घर के अंदर ही फांसी लगाई थी। सूचना मिलने पर रहली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सागर मेडिकल कॉलेज भेज दिया। रहली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। किसी ने भी नहीं सोचा था राजेंद्र और काजल इतना भयावह कदम उठाने वाले हैं। गुरुवार देर रात उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले दोनों ने अपनी शादी का कपड़ा पहना। राजेंद्र ने शादी का सूट और काजल ने साड़ी पहनी. उसके बाद फांसी के फंदे से झूल गए।

हसुए से गर्दन रेता, 40 किमी दूर बोरा में फेंका शव

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले के कसबा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है. एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके पिता के साथ मिलकर अपने पति की धारदार हथियार से गर्दन पर वार कर निर्मम हत्या कर दी. शव को गांव से करीब 40 किलोमीटर दूर अमौर थाना क्षेत्र में बोरा में बंद करके फेंक दिया. महिला को जब महसूस हुआ कि वो पुलिस के गिरफ्त में आ सकती है, तो वह पूर्णिया के हाट थाना पहुंची और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दे दी. हाट थाना की पुलिस ने इसकी सूचना तुरंत कसबा थाना को दी, जिसके बाद कसबा थाना की टीम हरकत में आ गई. महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके प्रेमी और प्रेमी के पिता को भी थोड़ी देर बाद दबोच लिया गया. मृतक की पहचान 47 वर्षीय एक व्यक्ति के रूप में हुई है, जो दूसरे राज्य में मजदूरी का काम करता था. वह मात्र एक सप्ताह पहले ही अपने घर लौटा था. परिजनों के अनुसार, मृतक रात करीब 2 बजे से लापता था.

अब भी वक्त है समझौता कर लो...

ईरान के महत्वपूर्ण ढांचे 37 हजार करोड़ का बी-1 ब्रिज तबाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत का बड़ा प्रदर्शन किया है। अमेरिकी वायुसेना ने एक सटीक स्ट्राइक में ईरान के सबसे महत्वपूर्ण और महंगे बुनियादी ढांचे में शामिल 37 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले रणनीतिक बी-1 ब्रिज को पूरी तरह जमींदोज कर दिया। यह ब्रिज न केवल ईरान की आर्थिक लाइफलाइन माना जाता था, बल्कि इसके जरिए सैन्य रसद की आपूर्ति भी सुगम होती थी। ट्रंप ने इस हमले के जरिए संदेश दिया है कि अमेरिका ईरान की कमर तोड़ने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इस हमले के बाद ईरान की परिवहन और सप्लाई चेन पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे तेहरान में हड़कंप मचा हुआ है। हमले के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सीधी चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा,ईरान के पास अब भी थोड़ा वक्त बचा है, मेरी शर्तों पर समझौता कर लो, वरना जो बचा है वह भी नहीं रहेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे और न ही अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने की इजाजत देंगे। ट्रंप के इस रुख से साफ है कि वह ईरान के साथ किसी भी नरम नीति के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने अपनी हरकतों से बाज नहीं आए, तो अगला हमला इससे भी ज्यादा विनाशकारी होगा, जिससे उबरना ईरान के लिए नामुमकिन होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस ब्रिज का तबाह होना

ईरान के लिए केवल एक आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि एक बड़ी रणनीतिक हार भी है। 37 हजार करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट ईरान के 'विज़न' का हिस्सा था। इस पुल के टूटने से ईरान के भीतर हथियारों की आवाजाही और तेल के परिवहन पर सीधा असर पड़ा है। ट्रंप की इस रणनीति का मकसद ईरान को आर्थिक रूप से पंगु बनाना है ताकि वह युद्ध लड़ने की स्थिति में ही न रहे। इस हमले ने यह भी साबित कर दिया है कि अमेरिकी खुफिया तंत्र और मिसाइल तकनीक ईरान के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले ठिकानों को भी निशाना बनाने में पूरी तरह सक्षम है। ट्रंप की इस नई धमकी और कार्रवाई ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव को चरम पर पहुँचा दिया है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक डरे हुए हैं कि अगर ईरान ने इस हमले का पलटवार किया, तो डोनाल्ड ट्रंप परमाणु ठिकानों या तेल की मुख्य रिफाइनरियों पर हमला कर सकते हैं। इजरायल पहले से ही ईरान के खिलाफ मोर्चेबंदी कर रहा है, और अब अमेरिका के इस सीधे हस्तक्षेप ने युद्ध को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। दुनिया भर की नजरें अब ईरान के सुप्रीम लीडर के अगले कदम पर टिकी हैं- क्या वे ट्रंप की शर्तों पर झुकेंगे या फिर मिडिल ईस्ट एक ऐसी तबाही का गवाह बनेगा जिसे रोकना किसी के बस में नहीं होगा।

ईरान ने अमेरिका का सबसे घातक विमान एफ-35 के उड़ाए परखच्चे

ईरान ने एक और अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है, जिसमें पायलट की जान बचने की संभावना नहीं है। यह दावा ईरानी सेना के खतम अल-अंबिया मुख्यालय के प्रवक्ता ने किया है। हालांकि, अमेरिका ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अगर यह दावा सही है, तो यह ईरान की ओर से अमेरिका के खिलाफएक बड़ा पलटवार माना जा सकता है। ईरान का दावा है कि उसने इस विमान को अपनी नई स्वदेशी एयर-डिफेंस सिस्टम से मार गिराया। ईरानी मीडिया ने हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मिसाइल बादलों को चीरते हुए एफ-35 की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। ईरान का कहना है कि उसकी नई एयर-डिफेंस प्रणाली ने इस अदृश्य विमान को ट्रैक कर उसे नष्ट कर दिया।

यूडीएफ की साजिश सफल नहीं होने देंगे

बरपेटा में गरजे-योगी कांग्रेस और यूडीएफ दोनो घुसपैठियों के साथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार को असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक तरफ ह्ल्ल की भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की सरकार जिसने भारत की संस्कृति, भारत की परंपरा और भारत की विरासत को सदैव आगे बढ़ाने का काम है। वहीं, एक तरफह्ल्ल की भारतीय जनता पार्टी की नेतृत्व वाली सरकार जो सुरक्षा भी दे रही है और सुशासन के लक्ष्य को भी प्राप्त कर रही है।चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बीजेपी सरकार सेवा के माध्यम से

बिना भेदभाव के शासन की योजना का लाभ हर गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला तक पहुंचाने का काम कर रही है। एक और ह्ल्ल डबल इंजन की सरकार 10 वर्ष के अंदर असम की कायाकल्प को बदलने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दी तो दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने 60 वर्षों तक असम के अंदर अराजकता, दंगों, घुसपैठ को बढ़ावा देकर यहां की सुरक्षा में रोक लगाने का काम किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने असम में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान शुक्रवार को बरपेटा विधानसभा सीट पर एनडीए के उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में रैली की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बरपेटा में अपनी पहली सभा में कांग्रेस के साथ यूडीएफ पर जमकर हमला बोला और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और यूडीएफ ने इस पवित्र धरती पर घुसपैठियों और दंगाइयों को ठिकाना दिया।

बंगाल के कोयला तस्करी मामले में आई-पीएसी के दफ्तरों में छापा

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के कोयला तस्करी से जुड़े मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के खिलाफ बड़ा तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने फर्म से संबंधित हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली के दफ्तरों पर नए सिरे से छापामारी की है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान आई-पीएसी के निदेशकों में से एक ऋषि राज सिंह का बेंगलुरु स्थित परिसर भी जांच के दायरे में है। सभी जगह एकसाथ तलाशी चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये तलाशी अभियान ईडी द्वारा कोयला तस्करी मामले में जारी कार्रवाई का हिस्सा हैं। इसके तहत एजेंसी हाल के वर्षों में कई छापेमारी और गिरफ्तारियां कर चुकी है।

असम में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी

शाह ने कहा कांग्रेस ने यहाँ सिर्फ चुनाव लड़ने का काम किया है..

असम/ एजेंसी

असम में चुनाव प्रचार के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी सिलसिले में गृह मंत्री अमित शाह ने गोलपारा के दुधनोई में एक बड़ी जनसभा की। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कामरूप में रैली को संबोधित किया। दोनों नेताओं ने कांग्रेस पर तीखे हमले किए और भाजपा के विकास कामों को गिनाया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने यहाँ सिर्फचुनाव लड़ने का काम किया, लेकिन आदिवासियों के कल्याण पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि 75 साल में कांग्रेस ने किसी

आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया। पीएम मोदी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज का सम्मान बढ़ाया। शाह ने बताया कि 2013 तक आदिवासियों का बजट सिर्फ 25 हजार करोड़ रुपये था, जिसे पीएम मोदी ने बढ़ाकर 1 लाख 38 हजार करोड़ रुपये कर दिया। उन्होंने आदिवासी संस्कृति, संगीत और कला को विश्व भर में बढ़ाने का काम किया है। शाह ने दुधनोई नदी का जिक्र करते हुए कहा कि इसे दूध की नदी कहते हैं, लेकिन यहाँ एक भी डेयरी नहीं है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार हर जिले में बड़ी डेयरी खोलेगी और हर आदिवासी परिवार को एक गाय और एक भैंस देगी। शाह ने कांग्रेस पर असम को घुसपैठियों का अड्डा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आई, तो घुसपैठिए आदिवासी इलाकों में भी घुस जाएंगे।

कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

चेकबाउंस मामले में राजपाल यादव की मुश्किलें और बढ़ीं

नईदिल्ली। 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव लगातार कानूनी दांव-पेंच में फंसे हैं। बार एंड बेंच के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले की सुनवाई जज स्वर्ण कांता शर्मा ने की और राजपाल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। इस दौरान कोर्ट ने अभिनेता द्वारा बकाया भुगतान के संबंध में लिए गए बदलते रुख पर निराशा जाहिर की। आइए जानते हैं कि सुनवाई में आगे क्या हुआ। राजपाल यादव ने कोर्ट से कहा कि वह भुगतान के संबंध में दिए गए किसी भी निर्देश का पालन करेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे अपनी गलती के लिए सजा मिलने में कोई दिक्कत नहीं है। भुगतान के संबंध में न्यायाधीश जो भी निर्देश देंगे, मैं उसका पालन करूंगा। हालांकि उन्होंने काफी आर्थिक नुकसान होने का दावा भी किया।

लाल चौक पर स्कूल वैन दुर्घटना में ड्राइवर की मौत, दो अन्य घायल...छात्र सुरक्षित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को श्रीनगर के लाल चौक पर घंटा घर के पास स्कूल वैन दुर्घटना में ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए. हालांकि, इस हादसे में छात्र बाल-बाल बच गए. अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर की पहचान जावेद अहमद (47) के तौर पर हुई है. वह बेमिना के उमैर अबाद का रहने वाला था. हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे तुरंत एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, स्कूल वैन का ड्राइवर जावेद अहमद का वाहन से कंट्रोल खो जाने के कारण यह हादसा हो गया.

आईएनएस अरिदमन नौसेना में शामिल

स्वदेशी पनडुब्बी से बढ़ी ताकत,रक्षा मंत्री राजनाथ बोले-शब्द नहीं शक्ति है अरिदमन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन के दौरान भारत की स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। परमाणु शक्ति और बैलिस्टिक मिसाइल से लैस देश की इस तीसरी पनडुब्बी के नौसेना में शामिल होने से सेना की ताकत बढ़ी है। कमीशन किए जाने से पहले रक्षा मंत्री ने आज अपने एक्स हैंडल पर लिखा- 'शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन'!' पानी के भीतर करीब 44 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली अरिदमन का पता लगाना काफी मुश्किल है। के-15 और के-4 जैसी घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस अरिदमन नौसेना की तीसरी ऐसी पनडुब्बी है जो परमाणु ताकत से लैस है। बैलिस्टिक मिसाइल वाली इस पनडुब्बी से भारत की परमाणु प्रतिरोधक और मारक क्षमता उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी। पानी के ऊपर इसका वजन लगभग 6,000 टन। पूरी तरह जलमग्न होने पर वजन बढ़कर 7,000 टन। (क्योंकि इसमें पानी भर जाता

है)। करीब 95 से 100 कर्मियों का दल इस पनडुब्बी को संचालित करता है। अरिदमन पर नौसेना अधिकारियों के अलावा नाविकों (सेलर्स) की भी तैनाती। संचालन में 83 मेगावाट के छोटे परमाणु रिएक्टर (न्यूक्लियर इंजन) का इस्तेमाल। यह तकनीक तमिलनाडु के कलपक्कम में विकसित पुराने नौसैनिक रिएक्टर पर आधारित। आईएनएस अरिदमन आकार और क्षमता के लिहाज से पहले वाली दोनों पनडुब्बियों से बड़ी और अधिक शक्तिशाली है। इस श्रृंखला में बनाई जा रही चौथी एसएसबीएन फिलहाल समुद्री परीक्षण (सी ट्रायल) के दौर में है। इसे अगले वर्ष नौसेना में शामिल किए जाने की संभावना है। चौथी पनडुब्बी भी अरिदमन श्रेणी की ही होगी।

राघव अकेले नहीं....

इनसे पहले दर्जन भर नेताओं को निपटा चुके हैं अरविंद केजरीवाल-पार्टी के कई संघर्षों के साथी छोड़ गए साथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी में मचे घमासान के बीच राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बागी सुरों ने एक पुरानी बहस को फिर हवा दे दी है। 'खामोश करवाया गया हूँ, हारा नहीं हूँ' जैसे बयानों के साथ चड्ढा ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। उनके इस बयान के बाद पार्टी की तरफ से भी पहले सौरभ भारद्वाज फिर अनुराग ढांडा ने आकर आरोपों की बौछार की है। पार्टी का कहना है कि राघव चड्ढा अब अरविंद केजरीवाल के सिपाही नहीं रहे हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने से घबराने लगे हैं। अनुराग ढांडा ने कहा,हम केजरीवाल के सिपाही हैं। निडरता हमारी पहली पहचान है। जो डर जाए, वो देश के लिए क्या लड़ेगा ?बहरहाल तब से अब तक यमुना में काफी पानी बह गया और देखते ही देखते कहानी ने जबर्दस्त मोड़ ले लिया है। अब राघव चड्ढा उन दिग्गजों की फेहरिस्त में शामिल होते दिख रहे हैं, जिन्होंने कभी अरविंद केजरीवाल के कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी खड़ी की थी, लेकिन बाद में रास्ते जुदा कर लिए। आम

आदमी पार्टी के गठन के बाद से अब तक कई नेताओं ने भी,क से दूरी बना ली है। इनमें राजेंद्र पाल गौतम, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे दिग्गज शामिल हैं। इस लिस्ट में अब राघव चड्ढा का नाम भी शामिल होता दिख रहा है। जनवरी 2024 में आम आदमी पार्टी ने स्वाति मालीवाल को राज्यसभा भेजा था। मार्च 2024 में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद स्वाति मालीवाल विदेश चली गईं, जिसे उन्होंने व्यक्तिगत कारण बताया। मई में जब केजरीवाल जेल से बाहर आए, तो मालीवाल उनसे मिलने पहुंचीं। मालीवाल का आरोप है कि इसी दौरान केजरीवाल के निजी सचिव ने उनके साथ मारपीट की। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के अनुसार, निजी सचिव बिभव ने उन्हें 8 थप्पड़ मारे। इस मामले में पार्टी नेतृत्व ने बिभव का समर्थन किया, जिसके बाद मालीवाल ने पार्टी के खिलाफ रुख अपनाया। उनका कहना था कि किसी दबाव के कारण केजरीवाल और पार्टी ने बिभव पर कार्रवाई नहीं की। 28 मार्च 2015 को आम आदमी पार्टी ने योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हटा दिया। उस समय दिल्ली में राष्ट्रीय परिषद की बैठक चल रही थी, लेकिन दोनों नेता बीच में ही बैठक छोड़कर बाहर आ गए। उस दौरान, योगेंद्र यादव ने कहा कि बैठक में लोकतंत्र की अनदेखी हुई, जबकि प्रशांत भूषण ने इसे उनके खिलाफ साजिश बताया। उनका आरोप था कि कुछ लोगों के साथ मारपीट भी हुई।

लांबा ने कर दिया ये बड़ा दावा

कांग्रेस ज्वाइन करने वाले हैं राघव चड्ढा ?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के खिलाफ अब उनकी ही पार्टी के नेताओं ने निशाना साधना शुरू कर दिया है। सियासी गलियारे में उनको लेकर कई तरह की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा है कि क्या वह कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं। एक्स पर एक एक यूजर ने पूछा कि क्या राघव चड्ढा कांग्रेस ज्वाइन करने वाले हैं? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने दिलचस्प जवाब दिया। अलका

लांबा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के 'दोनों' राज्यसभा सांसद राज्यसभा कार्यकाल रहने तक,क में ही बने रहेंगे। इसके बाद दोनों भाजपा में शामिल होंगे। अलका लांबा ने 'दोनों राज्यसभा' सांसद कहा।

जिले में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

बेमेतरा। बेमेतरा जिला के अंतर्गत जिला मुख्यालय एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा भक्ति एवं आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जहां मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया था।

वहीं जिला मुख्यालय के कई स्थानों पर भंडारा भोग प्रसादी का वितरण भी किया गया। बेमेतरा जिला मुख्यालय में इस साल हनुमान जयंती पर विशेष रूप से लोगों की उत्साह देखने को मिला जिले के सभी हनुमान मंदिरों पर जहां श्रद्धालुओं के भीड़ सुबह से पहुंचना शुरू हो गया था जहां पर लोगों के द्वारा अपनी श्रद्धा भक्ति के अनुसार पूजा याचना कर आशीर्वाद लिए और अपने परिवार की खुशहाली के लिए विभिन्न प्रकार के भोग सामान चढ़ाया गया। वहीं हनुमान जयंती के पर्व पर मंदिरों में आचार्य के निर्देश पर रामचरितमानस हनुमान चालीसा का पाठ किया गया एवं हनुमान जी का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना हवन के बाद महा आरती का आयोजन किया गया था। इसके बाद कई हनुमान मंदिरों में विभिन्न भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के घड़ी चौक के पास स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर बाजार पारा में स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर कचहरी चौक गंज मंडी, मंडी के पास नया बस स्टैंड, बस स्टैंड के पास, प्रताप चौक पर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पुरोहित गली, सोनी पारा, पांडे पारा में स्थित हनुमान मंदिर सहित पिकरी सिंघौरी, कोबिया मोहभट्ठा वार्ड में स्थित विभिन्न हनुमान मंदिर में पूजा पाठ के बाद भोग प्रसादी का आयोजन किया गया था। इसके अलावा पियर्स चौक में गणेश उत्सव समिति के द्वारा भी भोग प्रसादी का वितरण विशेष रूप से आयोजित किया गया था।

पश्चिम एशियाई संकट के बीच बालोद में गैस आपूर्ति दुरुस्त प्रशासन की सख्त निगरानी से नहीं हो रही कोई कमी

जिला प्रशासन द्वारा उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेण्डर्स उपलब्ध कराने हेतु किए गए हैं समुचित उपाय

बालोद। पश्चिम एशियाई संकट के मद्देनजर बालोद जिले के उपभोक्ताओं को समय पर समुचित मात्रा में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने हेतु चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन का दावा है कि बालोद जिले के गैस एजेंसियों में पर्याप्त मात्रा में घरेलु एवं कामर्शियल गैस सिलेण्डर उपलब्ध होने से हितग्राहियों को गैस सिलेण्डर प्रबंध करने में किसी प्रकार की परेशानी नही हो रही है। उल्लेखनीय है कि बालोद जिला प्रशासन द्वारा किए गए बेहतरीन व्यवस्था के फलस्वरूप एक अप्रैल के लिए बालोद जिले के गैस एजेंसियों के पास कुल 2 हजार 633 घरेलु एवं 51 कामर्शियल गैस सिलेण्डर्स उपलब्ध रहा।

इसके अंतर्गत बुधवार के लिए पूर्व इण्डेन वितरक गैस एजेंसी गुरूर के पास 140 घरेलु एवं 02 कामर्शियल, अरमरीकला ग्रामीण वितरक गुरूर के पास 169 घरेलु, बिरेतरा एचपी गैस एजेंसी गुंडरदेही के पास 127 घरेलु, मोहंदीपाट इंडेन ग्रामीण वितरक के पास 213 घरेलु एवं 01 कामर्शियल, सौम्य एचपी गैस एजेंसी गुंडरदेही के पास 360 घरेलु, काम्बले गैस एजेंसी दल्लीराजहरा के पास 399 घरेलु एवं 38 कामर्शियल, गोविंद इण्डेन गैस एजेंसी बालोद के पास 618 घरेलु एवं 10 कामर्शियल, ओम साई एचपी गैस एजेंसी डौण्डीलोहारा के पास 87 घरेलु, देवरी बंगला एचपी गैस एजेंसी के पास 46 घरेलु, आदिमजाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पापरा इण्डेन ग्रामीण वितरक के पास 134 घरेलु एवं शारदा गैस एजेंसी मंगचुवा के पास 340 घरेलु गैस सिलेण्डर उपलब्ध रहा।

एडीएम कौशिक नोडल अधिकारी नियुक्त

पश्चिम एशियाई संकट के कारण उत्पन्न स्थिति में बालोद जिले के उपभोक्ताओं को समय पर समुचित मात्रा में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने हेतु प्रशासनिक अमले के द्वारा फील्ड विजिट कर निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने इस दौरान एलपीजी, डीजल, पेट्रोल एवं अन्य सभी आवश्यकता वस्तुओं की नियमित निगरानी एवं आपूर्ति की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अनुभाग स्तरीय समितियों का भी गठन किया गया है। जिसके फलस्वरूप जिले के उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेण्डर एवं अन्य जरूरी चीजों की प्रबंध करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नही हो रही है। कुल मिलाकर, संकट की आशंका के बावजूद बालोद जिला प्रशासन की सक्रियता और बेहतर प्रबंधन के चलते आम नागरिकों को राहत मिल रही है और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पूरी तरह सुनिश्चित की जा रही है।

जन्मदिन पर सेवा का संकल्पः आंगनवाड़ी के नन्हें बच्चों संग मनाया गया नेवता भोज

कवर्धा। बोडला एकीकृत बाल विकास परियोजना के अंतर्गत लालपुर सेक्टर के ग्राम खैरबना कला में संचालित चार आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को एकत्रित कर केंद्र क्रमांक 02 में विशेष नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सामाजिक सरोकार और सेवा भावना का अनूठा उदाहरण बन गया, जब कबीरधाम जिले के पत्रकार भुवन पटेल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नन्हें बच्चों के बीच यह कार्यक्रम आयोजित कर मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की। कार्यक्रम में चारों आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को एक साथ आमंत्रित कर पौष्टिक भोजन कराया गया। बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। आयोजन का उद्देश्य केवल जन्मदिन मनाना नहीं, बल्कि आंगनवाड़ी योजना के मूल भाव – कुपोषण मुक्त समाज, बाल स्वास्थ्य संवर्धन और प्रारंभिक शिक्षा को

बढ़ावा देना – को साकार करना था। कार्यक्रम में सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दीदियों की सक्रिय सहभागिता रही। इसके साथ ही पर्यवेक्षक शकुंतला साहू, पंचायत सचिव सरला चंद्राकर, एस एन शास्त्री तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामय बना दिया। अधिकारियों ने बच्चों के साथ संवाद कर उनके स्वास्थ्य, पोषण और नियमित उपस्थिति की जानकारी ली तथा आंगनवाड़ी सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। गौरतलब है कि एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को पूरक पोषण आहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस प्रकार के सामुदायिक आयोजन योजना के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। जब समाज के जागरूक नागरिक स्वयं आगे आकर बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी करते हैं, तो इससे जनसहभागिता को बल मिलता है। नेवता भोज के दौरान बच्चों को संतुलित और पौष्टिक भोजन परोसा गया। भोजन वितरण के साथ स्वच्छता और अनुशासन का भी विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम स्थल पर उत्सव जैसा माहौल रहा, जहां बच्चों ने मुस्कुराते हुए भोजन ग्रहण किया और अतिथियों का अभिवादन किया। इस अवसर पर श्याम टंडन, उमेश छेदवी, रामसिंह बघेल, गुरुदीप सिंह, देवेंद्र चंद्रवंशी, तोरण, टिकेश्वर साहू सहित अन्य पत्रकार साथी भी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया। वक्ताओं ने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को सामाजिक सेवा से जोड़ना सकारात्मक सोच का प्रतीक है और इससे समाज में सहयोग एवं संवेदना की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को शुभकामनाएं दी गईं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके समर्पित कार्य के लिए बधाई दी गई। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए आनंददायक रहा, बल्कि समाज को यह संदेश भी दे गया कि छोटी-छोटी पहल से बड़े परिवर्तन की शुरुआत की जा सकती है।

संयुक्त खदान मजदूर संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन 4 एवं 5 अप्रैल को

दल्लीराजहरा। राजेश कुमार साहू संगठन सचिव संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) ने बताया कि संयुक्त खदान मजदूर संघ का 6 वां छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सम्मेलन 4 अप्रैल एवं 5 अप्रैल 2026 को दल्ली राजहरा में संपन्न होगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एटक की राष्ट्रीय महासचिव कामरेड अमरजीत कौर होगी । जो की 1979 से लगातार 7 वर्षों तक अखिल भारतीय छात्र संघ (ए आई एस एफ) की महिला महासचिव और 1999 से 2002 तक राष्ट्रीय भारतीय महिला संघ (एन एफ आई डब्लू) की महासचिव रही एवं 1994 से 2017 तक एटक की राष्ट्रीय सचिव रही । विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश एटक के अध्यक्ष आर डी सी पी राव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश एटक महासचिव कामरेड हरिनाथ सिंह होंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त खदान मजदूर संघ केंद्रीय के अध्यक्ष कामरेड कमलजीत सिंह मान ने बताया कि संयुक्त खदान मजदूर संघ दल्ली राजहरा के तत्वाधान में आयोजित एटक का 6 वां राज्य सम्मेलन में कोल इंडिया की 16 खदानों के प्रतिनिधि , एन एम डी सी, नगर नार स्टील प्लांट, एल्युमिनियम स्टील एम्पलाई यूनियन, भिलाई स्टील प्लांट , नंदिनी माइंस, हीरी माइंस , भारतद्वार माइंस, बालको ,असंगठित क्षेत्र के मजदूर , आंगनबाड़ी मध्यान भोजन, निजी औद्योगिक क्षेत्र एवं विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। राज्य स्तरीय सम्मेलन में दो दिवसीय आयोजन होगा । जिसमें प्रथम दिवस 4 अप्रैल को संध्या 4 बजे संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) से संबंधित सभी ठेका श्रमिक एवं नियमित कर्मचारियों का विशाल बाइक रैली संपन्न होगा एवं रैली के उपरांत विशाल आमसभा होगा । रैली संयुक्त खदान मजदूर संघ(एटक) कार्यालय से निकलकर टाउनशिप घूमते हुए पुराना बाजार जाएगी, वहां से मानपुर चौक होते हुए बस स्टैंड से यूनियन कार्यालय वापस आएगी। जहां कार्यालय में आमसभा होगी जिसको एटक की राष्ट्रीय महासचिव कामरेड अमरजीत कौर संबोधित करेंगी। 5 अप्रैल को संयुक्त खदान मजदूर संघ एटक के विभिन्न क्षेत्र से आए हुए प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) का अधिवेशन होगा। कार्यक्रम की तैयारी के लिए श्रीनिवास लु,प्रीतम पटेल, ओम प्रकाश शर्मा, हंस कुमार ,कुलदीप सिंह, मसलेऊदीन ,राजकिशोर मोहंती, उमेश पटेल ,विवेकानंद दत्त, शिवकुमार, हेमंत कुमार, माधव, राकेश शर्मा, वासु, रंजीत सिंह, आरके सिन्हा,नवीन,चांद शेख,सोहेल, सुंदर, शेखर कावले, चंद्रभान, दिनेश कुमार, विष्णु साहू,आकाश कुमार, कृष्णमूर्ति, राधेश्याम, आर बी सिंह, राजीक खान, आर पी बघेल, यशपाल अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

घरेलू और कमर्शियल गैस के दाम में वृद्धि कांग्रेस ने खोला केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा

गरियाबंद। देश में एक बार फिर महंगाई को लेकर सियासत तेज हो गई है एक ओर पेट्रोल डीजल के दाम में कमी लाने का बखान भाजपाई कर रहे है तो दूसरी घरेलू गैस और कमर्शियल गैस पर लगी महंगाई की आग को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है इसी तर्ज पर आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेते हुए केंद्र में बैठी भाजपा सरकार की विफलताओं के चलते आज देशवासियों को महँगाईओ का सामना करने की बात कही बेसरा ने कहा कि हाल ही में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 195 रुपये की वृद्धि और पिछले

सप्ताह घरेलू गैस सिलेंडर में 62 रुपये की बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अमित मिरी सत्री मेनन रमेश शर्मा रमीज रजा आरिफ ढेबर छखन यादव राजेश साहू जुनेद खान पन्नालाल धुरुव ज्ञानेश तिवारी योगेश बघेल अवधराम यादव सहित अन्य कांग्रेस नेताओं का कहना है कि एक ओर रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर सीधा असर पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली कमी कर सरकार वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है उन्होंने इसे जनता को गुमराह करने की रणनीति बताया स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि रसोई गैस हर घर की जरूरत है और इसकी कीमतों में बढ़ोतरी से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन आम जनता को राहत देने के बजाय दिखावटी कदम उठाए जा रहे हैं नेताओं ने यह भी कहा कि पेट्रोल-डीजल के दामों में थोड़ी राहत देकर सरकार जनता का ध्यान असली मुद्दों से हटाना चाहती है, जबकि गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का सीधा असर रसोई पर पड़ रहा है कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि एलपीजी गैस के बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस लिया जाए और आम जनता को राहत दी जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कीमतों में कमी नहीं की गई तो पार्टी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी क्योंकि केंद्र सरकार सिर्फ अपने पूंजीपतियों का ख्याल रख रही है जबकि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्ग मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गरीब किसान मजदूर सहित तमाम वर्ग को राहत मिलता था और जिन भाजपाई को 400 रुपये का गैस महंगा लगता था आज उन्ही भाजपाईओ 900 से 1000 और 1580 से 1691 के गैस नजर नहीं आ रहा है।

हनुमान जन्मोत्सव पर हवन-पूजन व भंडारे का आयोजन

तिल्दा-नेवरा। हनुमान जन्मोत्सव की धूम रही। सुबह से ही श्रद्धालु प्रसाद व पूजा सामग्री लिए हनुमान जी के मंदिरों में वंदना व पूजा-अर्चना करने पहुंच रहे थे।पुरे शहर सहित ग्रामीण अंचलो में हनुमान मंदिर पर संगीतमय रामायण का पाठ में भारी संख्या में भक्त पहुंचे। हनुमान मंदिरों में शुभ मुहूर्त में भक्तों ने प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना की। भक्तों ने पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए हनुमानजी की मूर्ति पर गुलाब की माला, चोला और सिंदूर लगाकर मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। भक्तों द्वारा पीपल के पत्तों पर श्रीराम लिखकर भी प्रभु को अर्पित किया जा रहा था। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे नगर में उत्साह और भक्ति मय वातावरण देखने को मिला। नगर में स्थित विभिन्न हनुमान मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना आरंभ हो गई थी। इस दौरान दिनभर मंदिरों में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, रामायण पाठ तथा भजन कीर्तन का आयोजन चलता रहा। हवन पूजन के बाद भंडारे और प्रसाद वितरण हुआ।प्रसाद के रूप में पुरे शहर सहित ग्रामीण अंचलो में खीर पूड़ी ,हलवा ,फ्रूट ,आइसक्रीम ,कढ़ी चावल ,शरबत जैसे विभिन्न सामग्रियों का लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। लोगों ने कतार बनाकर प्रसाद ग्रहण किया।

लंबित प्रकरणों को जल्द निराकरण करें: कलेक्टर

गरियाबंद। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर बी.एस. उइके ने आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं और जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने कार्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करें। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी को अपने कर्तव्यों के पालन सही तरीके से करने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही समय सीमा की बैठक में बिना बताएं अनुपस्थित रहने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त लंबित प्रकरणों को तत्काल निराकरण करने तथा निराकरण उपरांत उन्हें टीएल से विलोपित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईएचआरएम गवर्नमेंट एप पर नियमित लॉग इन, सैरी पोर्टल में सभी आवश्यक प्रविष्टियों को समय पर अपलोड करने के साथ ही न्यायालय एवं उच्च कार्यालयों के निर्देशों एवं आदेश का गंभीरता के साथ पालन करने को कहा। उइके ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लंबित भर्ती प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। राज्यपाल के गोदग्राम बिजली में विभिन्न विभागों द्वारा लगाएं गए शिविर के दौरान की गई कार्यवाही की जानकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष प्रतिवेदन-रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया प्रवेशोत्सव

नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

बेमेतरा। बेमेतरा जिले का एक मात्र डी. ए. वी मुख्यमंत्री स्कूल जांता में शिक्षा सत्र 2026-27 नए सत्र के शुभारंभ के साथ आज शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें अभिभावकों ने बड़ी संख्या में विद्यालय में उपस्थित होकर,आज के शाला प्रवेशोत्सव भाग लिए। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के मुख्यअतिथि नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा विजय सिन्हा, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत शिक्षक नन्दलाल शर्मा, विशेष अतिथि पार्षद बेमेतरा लक्की साहू, अति विशेष अतिथि संकुल समन्वयक जितेंद्र साहू, नोडल अधिकारी व संकुल प्राचार्य बलदाऊ पटेल एवं स्कूल बस संचालक नीलेश साहू उपस्थित रहे। अतिथियों के द्वारा नए प्रवेशित एवं पूर्व से अध्ययनरत सभी लगभग 700 विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मुह मीठा कर पुष्पवर्षा करते हुए शाला में प्रवेश दिलाया गया। साथ ही सभी अभिभावकों,माता पिता व अथितियों का भी तिलक व पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। स्वागत के बाद सभी अतिथियों व स्कूल प्रचार्य ने वैदिक हवन यज्ञ में शामिल हुए व स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा हंसराज व सरस्वती माता को श्रद्धा सुमन, पुष्पगुच्छ व माला पहनाते हुए दिप प्रज्वलित किए ततपश्चात सरस्वती वन्दना गीत एवं डी ए वी गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विजय सिंहा के द्वारा बच्चों को शाला प्रवेशोत्सव की शुभकामनाएं दिए। उदबोधन में विद्यार्थियों को नवीन सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधार

है तथा सतत परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। और नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया, विद्यार्थियों को सम्मानित भी किए, साथ ही शिक्षक- शिक्षिकाओ को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सराहना किए है, डी ए वी जांता के बच्चों ने वास्तव में क्षेत्र का मान बढ़ाया है। यह गर्व का विषय है वास्तव में छात्र जीवन में लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे क्या सोचेंगे ये नही सोचना है लक्ष्य साध कर उसे पूरा करने के लिए मेहनत करेंगे तो सफलता आपकी कदम चूमेगी। विशिष्ट अतिथि नन्दलाल शर्मा ने बच्चों को कड़ी मेहनत के साथ पढ़ाई करने हेतु मार्गदर्शन दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। प्रचार्य पी एल जायसवाल ने कार्यक्रम में पहुँचे अतिथियों व अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने सी बी एस ई शिक्षा के साथ-साथ वैदिक शिक्षा व अंग्रेजी माध्यम शिक्षा हेतु डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता को चयनित किए है। हम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य व सर्वांगीण विकास के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे।

प्रचार्य जायसवाल ने जानकारी साझा किया कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए बड़ी संख्या में नए अभिभावकों ने डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में अपने बच्चों को प्रवेशित दिला चुके हैं। अभी प्रवेश प्रकिया चल ही रही हैं अन्य अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए उचित शिक्षा व सी बी एस ई विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किए है आने-जाने के लिए सभी चारों दिशाओं के लिए यातायात हेतु बस सुविधा भी प्रदान किए गया हैं। क्षेत्र से बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित हुए, अतिथियों व अभिभावकों ने सभी विद्यार्थियों को शाला प्रवेश कि बधाई व शुभकामनाएं दिए, विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल, आयुषी जैन, अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू, ममता चंद्राकर, अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल, लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव, स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव, भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी, यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव आदि सभी कार्यक्रम को सफल बनाए।

संक्षिप्त समाचार

एक्स पर भूपेश ने पोस्ट शेयर कर लिखा और सबूत चाहिए क्या डॉ. रमन का पलटवार, कहा- एक बार आईने में देखिए

रायपुर। नक्सलवाद के खात्मे के श्रेय को लेकर सियासत शुरू हो गई है। सदन में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस के सहयोग नहीं मिलने के अमित शाह के दावे के बाद बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर उन्हें बहस के लिए चुनौती देते हुए पहले एक वीडियो जारी किया, और फिर अखबार की कतरना साझा की। इस पर अब तीन बार के मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पलटवार किया है। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को नक्सलवाद के मुद्दे पर बहस की चुनौती दी। बघेल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में नक्सल समस्या को खत्म करने केंद्र की भाजपा सरकार को पूरा सहयोग किया गया था, लेकिन अमित शाह ने संसद में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान यह झूठ कहा कि कोई सहयोग नहीं किया था। इसके बाद एक और पोस्ट में एक समाचार पत्र की कतरना दिखाई और लिखा और सबूत चाहिए क्या अमित शाह?। इस पर अब पूर्व सीएम और वर्तमान विधानसभा स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने पलटवार किया है। डॉ. रमन सिंह ने लिखा कि आपकी जेब में तो झीरम घाटी नक्सल वारदात के सबूत थे, लेकिन जब हाथ डालते हैं तब सिर्फ आप अखबार की एक कतरन ही निकालते हैं। दूसरों पर कीचड़ उछालकर अपने दाग नहीं छुपाये जा सकते, एक बार आईने में देखिए कि आपने सत्ता के 5 वर्षों में सिर्फ दोषारोपण ही किया है।

मंदिर परिसर में हुआ चाकूबाजी, वारदात सीसीटीवी में कैद

रायपुर। भाठागांव स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में युवक पर जानलेवा हमला किया। लकी साहू नाम के युवक ने नाबालिग पर चाकू से हमला किया। पुराने विवाद के चलते चाकू मारा। गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला किया। युवक की हालत गंभीर, निजी अस्पताल में इलाज जारी है। मंदिर परिसर में लगे कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई। आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुरानी बस्ती पुलिस तलाश कर रही है। गोकुल नगर में हाफ मर्डर तीन दिन पहले टिकरापारा इलाके के सिमरन सिटी में कारोबारी अजय अग्रवाल की हत्या के बाद कल गोकुल नगर में हाफ मर्डर की घटना हुई। घायल अस्पताल में संघर्ष कर रहा है।आवेश खान नाम के युवक पर कासिम ऊर्फ अम्मू ने चाकू से हमला किया। यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया। आवेश उस वक्त घर जा रहा था। यह हमला सरेराह किया। आरोपी अम्मू ने जान लेने के इरादे से सीधे आवेश के सीने पर चाकू मारकर मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। टिकरापारा पुलिस ने हत्या का प्रयास दर्ज का अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

अप्रैल महीने की शुरुआत बारिश और आंधी की संभावनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में इन दिनों भीषण गर्मी का का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। दिन से समय चलने वाली गर्म हवाएं और तेज धूप ने लोगों के मुश्किलें बढ़ा दी हैं, तो वहीं अप्रैल महीने की शुरुआत बारिश और आंधी की संभावनाएं भी हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के कई जिलों में ओले गिरने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक बारिश की भी संभावना है। इतना ही नहीं कई जगहों पर गरज के साथ आंधी और बादल तकड़ने की भी संभावना हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि एक नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा तक एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। यह सिस्टम समुद्र तल से करीब 0.9 किलोमीटर ऊपर स्थित है, जो आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ के मौसम को प्रभावित करेगा। रायपुर की बात करें तो राजधानी समेत आसपास के इलाकों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना हैं। रायपुर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियम और अंबिकापुर में न्यूनतम 19.6 डिग्री सेल्सियम रिकॉर्ड किया गया है।

जीपीएस से टारगेट कर कारों में लगाई आग, भिलाई से आई गैंग बेनकाब, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के महादेव घाट इलाके में खड़ी दो कारों को आग के हवाले करने वाली सुनियोजित साजिश का आखिरकार पुलिस ने खुलासा कर दिया, एक महीने पहले हुई इस सनसनीखेज आगजनी के पीछे दुर्ग से आई गैंग का हाथ निकला जिसने पूरी प्लानिंग के साथ लाइव लोकेशन के जरिए टारगेट फिक्स कर वारदात को अंजाम दिया, प्रार्थी ने थाना डी.डी. नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि घटना की रात उसके घर के पास खड़ी दो कारों पर अज्ञात लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी और मोटरसाईकिल से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम जोन के निर्देशन और क्राइम ब्रांच के सहयोग से तत्काल साइबर सेल और थाना टीम की संयुक्त जांच शुरू हुई,

---

मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार का किया भूमिपूजन

अनन्य रामभक्त श्री हनुमान जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक-मुख्यमंत्री

- अनन्य रामभक्त श्री हनुमान जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक- मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री श्री हनुमान उत्सव एवं श्री राम कथा कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के स्टेशन चौक स्थित नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में आयोजित श्री हनुमान उत्सव एवं श्री राम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त श्री हनुमान का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। बल, बुद्धि और विद्या के दाता हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि हमारे जीवन में निष्ठा, सेवा और समर्पण कैसा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार का भूमिपूजन किया। श्री राम कथा के दौरान श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर राम नाम से गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री ने श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में विधि-विधान से श्री हनुमान का दर्शन और आरती पूजन किया। उन्होंने श्री हनुमान जी से छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 01 से 05 अप्रैल तक नर्मदा कुंड मंदिर में स्वामी श्री राजीव लोचन दास जी द्वारा श्री राम कथा का भी आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय को कहा छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्री राम ने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। रामायण काल में वर्णित दंडकारण्य अबूझमाड़ क्षेत्र का इलाका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अभी तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं। 5 हजार से अधिक बुजुर्ग विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रा के लिए 19 जगहों को चिन्हांकित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभी हमने धर्मांतरण रोकने छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया है। इस कानून के अंतर्गत देश के सभी प्रदेशों से कठोर नियम बनाए गए हैं। इन कड़े प्रावधानों से निश्चित ही धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। गौ माता के भी संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार द्वारा सुरभि गौधाम योजना लागू की गई है। इसके तहत 29 गौधाम का शुभारंभ किया गया है। सुरभि गौधाम में गौमाता के लिए चारे और अन्य व्यवस्था के साथ ही गौपालकों को गोबर के विभिन्न उत्पाद के निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में 10 सुरभि गौधाम के साथ प्रदेश में 330 गौधाम का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में रुद्र सेना और रुद्र शक्ति के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा,विधायक श्री किरण सिंहदेव और श्री पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव।

संपत्तिकर जमा करने की तिथि बढ़ाई नगर निगम रायपुर ने

- सम्पतिकरदाता नागरिकों द्वारा पौने आठ करोड़ 69 लाख 55065 रूपये का राजस्व अदा किया

रायपुर। नगर निगम प्रशासन ने संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक जमा करने का निर्देश दिया गया है इससे संपत्तिकर दाताओं का राहत मिलेगी। निगम से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनों के राजस्व विभागों में सम्पतिकर अदा करने सम्पतिकरदाता नागरिक उमड़ पड़े. सभी 10 जोनों में सम्पतिकरदाता नागरिक स्वयं आकर 31 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे तक अपना देय सम्पतिकर सहजता और सरलता के साथ अदा करते रहे। आज 31 मार्च को सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे तक नगर निगम राजस्व विभाग को 7083 सम्पतिकरदाता नागरिकों ने 6 करोड़ 69 लाख 55065 रूपये सम्पतिकर अदा कर दिया है. और सभी जोनों में अभी भी सम्पतिकरदाता नागरिकों की भारी भीड़ लगी हुई है। आज 31 मार्च 2026 को नगर निगम के सभी जोनों के राजस्व विभाग की टीमों द्वारा वार्डों में नगर निगम राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने वाले दुकानदारों के सम्बंधित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को तत्काल सीलबंद करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई और घरों में बकाया राजस्व अदा नहीं करने पर सम्बंधित रहवासी नागरिकों के नल विच्छेद की कड़ी कार्रवाई सभी जोनों में राजस्व विभाग द्वारा आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों की अगुवाई और अभियंताओं, जोन सहायक राजस्व अधिकारियों सहित राजस्व कर्मचारियों द्वारा सुबह से शाम तक लगातार जारी रही। आज होलीक्रॉस स्कूल बैरनबाजार और होलीक्रॉस स्कूल शैलेन्द्र नगर द्वारा नगर निगम जोन 4 राजस्व विभाग को आरटीजीएस के माध्यम से वर्ष 2008 से लेकर वर्ष 2026 तक का सम्पूर्ण बकाया भुगतान कर दिया.

बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पर्धाएं खेल...

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर की पावन धरा जगदलपुर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए। दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पर्धाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री जलशक्ति विभाग श्री रामकेश निषाद ने सौजन्य मुलाकात की।

भूपेश के बयान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव का पलटवार

असत्य एवं भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया विष्णु देव साय ने

- नक्सलवाद पर किसी भी स्थान और समय पर बहस करने तैयार

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में नक्सलवाद समाप्ति के केन्द्र सरकार के दावे को लेकर सियासत दानों के बीच जमकर बयानबाजी शुरू हो गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भूपेश बघेल के बयान को असत्य एवं झूठ बताया है। वहीं भूपेश बघेल ने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह देश को गुमराह कर रहे हैं।

प्रदेश में इस समय नक्सल उन्मूलन अभियान तेजी से चल रहा है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च तक नक्सलवाद समाप्त करने की घोषणा की थी, जिसके तहत 31 मार्च के पूर्व बड़े-बड़े नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। कल लोकसभा में इसको लेकर बहस भी हुई। इसमें शाह ने कहा हमारी सरकार ने पशुपति नाथ से लेकर तिरूपति तक के नक्सली आतंक को खत्म कर दिया है। आज प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी प्रदेश नक्सल खात्मे का दावा किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब नक्सल क्षेत्रों में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने बताया कि बड़े-बड़े कमांडर मारे गए हैं, जिससे आदिवासियों में नया संचार हुआ है। इधर राज्य में वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि झीरम हत्याकांड को लेकर भूपेश बघेल अपने जेब में सबूत लेकर घूमने का दावा किया था।

संचालनालय कोष एवं लेखा ने शुरू कीं नई डिजिटल सेवाएं

रायपुर। संचालनालय कोष एवं लेखा ने राज्य में वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई नई डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की है। इन पहलों का लक्ष्य आम नागरिकों, शासकीय विभागों एवं अन्य हितधारकों को सरल, सुलभ और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में, ई-चालान के तहत इख्रष्ट प्रणाली को 01 अप्रैल 2026 से लागू किया गया है। अब सभी प्रकार की शासकीय प्राप्तियों का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। नागरिक और संस्थाएं आसानी से चालान तैयार कर राजस्व जमा कर सकेंगे, जिससे भुगतान प्रक्रिया अधिक सहज, समयबद्ध और पारदर्शी होगी। इसके साथ ही कोषालयों में ऑनलाइन बीटीआर सुविधा भी शुरू कर दी गई है, जिससे लेखांकन कार्यों में गति और सटीकता आएगी। राज्य में एक केंद्रीय कोषालय का भी शुभारंभ किया गया है। इस व्यवस्था के तहत भारत सरकार से प्राप्त राशि के भुगतान स्न स्क्ब्ह्न॥ प्रणाली के माध्यम से अब अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और केंद्रीकृत तरीके से किए जाएंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया में दक्षता सुनिश्चित होगी। संचालनालय कोष एवं लेखा की नई वेबसाइट भी लॉन्च की गई है।

रियलमी 16 5जी भारत में हुआ लॉन्च

रायपुर । भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन, रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूज़र्स के लिए बनाया गया है, जो अपनी क्रिएटिविटी, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज्युअल स्टोरीटैलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसमें ए.आई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7,000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा-लाईट रियलमी 16 5जी मिड-रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है।

ए.आई पोर्ट्रेट मास्टर: सेगमेंट का सबसे बेहतर ड्युअल 50 मेगापिक्सल कैमरा, जो देता है बिल्कुल जीवंत पोर्ट्रेट

रियलमी 16 5जी में 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स852 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा के साथ एडवांस्ड ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा सिस्टम दिया गया है, जो नई जनरेशन के युवा यूज़र्स को ए.आई पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इसके रियर कैमरा में 1/2.83 इंच का विशाल सेंसर, एफ1.8 एपर्चर और ऑटोफोकस क्षमता है, जिसकी मदद से रोशनी की मुश्किल परिस्थितियों में भी शार्प डिटेल और भरोसेमंद इमेज परफॉर्मेंस मिलती है। 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा इमेज को और अधिक बेहतर बनाकर नैचुरल स्किन टोन और खूबसूरती से तराशे हुए फेशियल फीचर्स प्रदान करता है। इसलिए यह व्यक्तिगत सेल्फी और ग्रुप पोर्ट्रेट के लिए शानदार है और 30,000 रुपये से कम मूल्य का सबसे अच्छा स्मार्टफोन है।

रियलमी 16 5जी में एक और खूबी है।

जंगल के मैदानों से राष्ट्रीय मंच तक

भारत की हॉकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं जनजातीय समुदाय

- ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मिजोरम के कई खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर ओलंपियनों और टैलेंट स्काउट्स का ध्यान खींचा

रायपुर/ संवाददाता

ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया। रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई। ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था—जो अब बदल रहा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय और राज्यों द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेहतर बुनियादी ढांचे और संगठित जमीनी कार्यक्रमों के चलते अब एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन अजीत लकड़ा, जो वर्तमान में बिलासपुर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मुख्य कोच हैं, इस बदलाव को करीब से देख रहे हैं। उन्होंने कहा,ग्रासरूट से लेकर जूनियर और फिर सीनियर स्तर तक पूरी प्रणाली धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ी इससे काफी लाभान्वित हो रहे हैं। उनकी प्राकृतिक प्रतिभा को अब सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के जरिए निखारा जा रहा है। लकड़ा का मानना है कि यह संरचित सहयोग एक सकारात्मक श्रृंखला बना रहा है। उन्होंने कहा, जब बच्चे यहां आकर सीखते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे दूसरों को प्रेरित करते हैं। इससे लगातार नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं।

संपादकीय

युद्ध विराम समझौते में 'रेड लाइन' बन रही मुसीबत

अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के करीब चार हफ्तों बाद समझौते की इच्छा जताते हुए 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि दोनों देशों की शर्तें कड़ी हैं और भरोसे की कमी बड़ी बाधा बनी हुई है। फिलहाल शांति के लिए हमले रोककर साझा समाधान तलाशना जरूरी है, क्योंकि सैन्य ताकत से सिर्फ तबाही बढ़ेगी। ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे।वे लाइनें लिखे जाने तक इन प्रस्तावों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारी बातचीत नाकाम रही है और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में छात्र गलती करता है और शिक्षक सप्ताह बाद कापी वापस करते हैं- तब तक वह अवधारणा मन से उतर चुकी होती है। एआई आधारित त्वरित फीडबैक पद्धति इस खाई को पाटता है। गणित में फोटोमैथ और मैथवे जैसे ऐप्स छात्रों को चरण-दर-चरण समाधान प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे समझ पाते हैं कि 'क्या गलत हुआ'? इस दिशा में आंध्र प्रदेश सरकार ने 'मैना टीवी' परियोजना में छात्रों के उत्तरों का तत्काल मूल्यांकन लागू किया है। एस्टोनिया- जिसे 'डिजिटल रिपब्लिक' भी कहते हैं; यहाँ एआई आधारित ई स्कूलबैग प्रणाली बच्चों को हर गलती पर त्वरित व्याख्यात्मक सुझाव देती है। यह फीडबैक सीखने को त्वरित और आत्मविश्वासपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने परियोजना-आधारित शिक्षा को नई ऊर्जा दी है।

एआई युग में होमवर्क- किताबों से आगे, स्मार्ट लर्निंग की ओर स्कूली छात्र

(नीरज पटेल)

एक समय था जब होमवर्क का अर्थ होता था- कापी-किताब, पेंसिल और घंटों की मशक्कत। हर छात्र को एक ही प्रकार के सवाल, एक ही तरीके से हल करने होते थे- चाहे वह मेधावी हो या संघर्षरत। परंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आने से इस पूरी अवधारणा को चुनौती मिल रही है। आज एआई न केवल होमवर्क को व्यक्तिगत बना रहा है, बल्कि सीखने की पूरी प्रक्रिया को पुनर्परिभाषित कर रहा है। जो एक यह परिवर्तन क्रांतिकारी है- और अपरिहार्य भी।

अगर हम पारंपरिक शिक्षा को देखे तो उसमें एकरूपता का बोलबाला रहा है- सबको एक ही पाठ, एक ही गति से सीखने का अवसर मिलता है। एआई आधारित अनुकूलित शिक्षा इस ढाँचे को तोड़ती है। खान अकादमी का एआई सहायक खानमीगो इसका सबसे चर्चित उदाहरण है, यह एआई सहायक छात्र की गलतियों का विश्लेषण करके अगला प्रश्न उसी स्तर का तैयार करता है जो न अधिक कठिन हो, न अनावश्यक सरल। भारत में एनसीईआरटी ने 'दीक्षा पीएलएल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसी दिशा में पहला कदम रखा है। राजस्थान सरकार ने 'स्माइल' कार्यक्रम के तहत व्हाट्स अप के जरिए व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री भेज रही है। फिनलैंड की 'शिस्' पद्धति में एआई छात्र की सीखने की शैली- दृश्य, श्रव्य या व्यावहारिक- के आधार पर होमवर्क तैयार करता है। कुछ इसी तरह का भविष्य है भारतीय कक्षाओं का भी।

पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में छात्र गलती करता है और शिक्षक सप्ताह बाद कापी वापस करते हैं- तब तक वह अवधारणा मन से उतर चुकी होती है। एआई आधारित त्वरित फीडबैक पद्धति इस खाई को पाटता है। गणित में फोटोमैथ और मैथवे जैसे ऐप्स छात्रों को चरण-दर-चरण समाधान प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे समझ पाते हैं कि 'क्या गलत हुआ'? इस दिशा में आंध्र प्रदेश सरकार ने 'मैना टीवी' परियोजना में छात्रों के उत्तरों का तत्काल मूल्यांकन लागू किया है। एस्टोनिया- जिसे 'डिजिटल रिपब्लिक' भी कहते हैं; यहाँ एआई आधारित ई स्कूलबैग प्रणाली बच्चों को हर गलती पर त्वरित व्याख्यात्मक सुझाव देती है। यह फीडबैक सीखने को त्वरित और आत्मविश्वासपूर्ण बनाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने परियोजना-आधारित शिक्षा को नई ऊर्जा दी है। अब छात्र केवल पाठ्यपुस्तक नहीं दोहराते, बल्कि एआई टूल्स से वास्तविक समस्याएँ सुलझाते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 में भी 'प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग' पर विशेष बल देता है। केरल का लिटिल किट्स क्लब छात्रों को एआई और कोडिंग प्रोजेक्ट्स से जोड़ रहा है। सिंगापुर में 'एआई फार किड्स' कार्यक्रम के तहत 10-12 वर्ष के बच्चे पर्यावरण और शहरी योजना पर एआई -आधारित प्रोजेक्ट्स बनाते हैं। यह पद्धति आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल विकसित करती है- जो आज की 21वीं सदी की माँग है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से सबसे बड़ा सवाल उठता है- क्या शिक्षक अप्रासंगिक हो जाएँगे? नहीं। उनकी भूमिका और अधिक मानवीय हो जाएगी। पहले शिक्षक का ज्यादातर समय कापियाँ जाँचने और पाठ दोहराने में जाता था। अब यह काम एआई संभालेगा- और शिक्षक छात्रों के भावनात्मक व

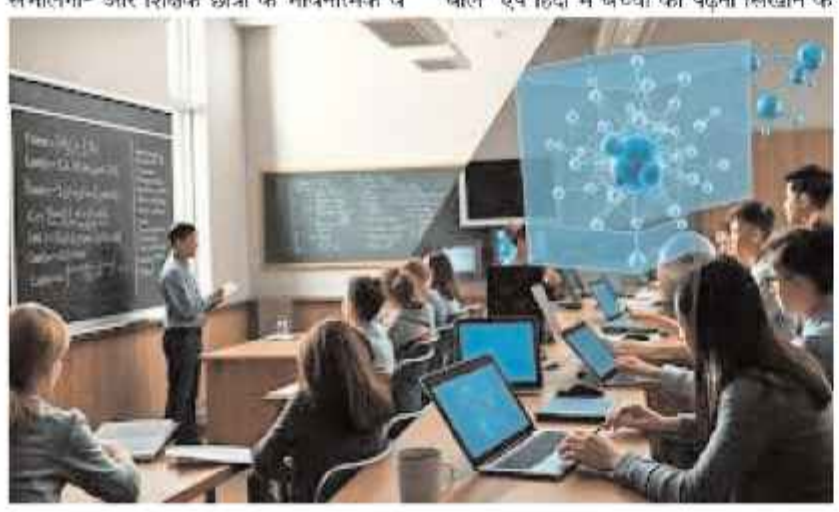

नैतिक विकास पर ध्यान देंगे। गुजरात के 'विद्याशक्ति' कार्यक्रम में शिक्षकों को डैशबोर्ड दिए गए हैं जहाँ वे प्रत्येक छात्र की प्रगति रियल-टाइम में देख सकते हैं। दक्षिण कोरिया में 'एआई टीचर असिस्टेंट' शिक्षक को विद्यार्थियों की रिपोर्ट देता है, जिससे वे उन बच्चों पर ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यता है। जिससे शिक्षक की भूमिका 'मंचीय ज्ञाता' से 'परामर्शदाता' बन जाते हैं अर्थात- यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में अगर हम एआई को देखे तो यह शिक्षा के क्षेत्र में एक दोधारी तलवार है- एक तरफ अभूतपूर्व अवसर, दूसरी तरफ गहरी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। अगर हम भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को देखे तो भारत में 6 लाख से अधिक गाँवों में ऐसे लाखों बच्चे ऐसे हैं जहाँ न पर्याप्त शिक्षक हैं, न पाठ्यपुस्तकें, न प्रयोगशालाएँ। ऐसे में यदि एआई को सही तरीके से पहुँचाया जाए तो यह समानता का सेतु बन सकता है।

इस दिशा में पहला और बड़ा अवसर यह है कि हू शिक्षक की अनुपस्थिति की भरपाई कर सकता है। भारत में सरकारी आँकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक-छात्र अनुपात बेहद दयनीय है। कई स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाएँ चलाता है। इस दिशा में विद्यार्थी को दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मातृभाषा में शिक्षा है। ग्रामीण बच्चे अक्सर हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु, बंगाली या भोजपुरी में सोचते हैं, लेकिन उनकी पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी में होती हैं। एआई के माध्यम से अनुवाद और स्थानीय भाषा प्रसंस्करण की क्षमता से यह अन्तर खत्म सकता है। 'माईक्रोसाफ्ट प्रोजेक्ट भूमि' और गुगूल का 'बोले' ऐप हिंदी में बच्चों को पढ़ना सिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। 'बोले' ने उत्तर प्रदेशऔर बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पठन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

इस दिशा में तीसरा अवसर है स्कूली शिक्षा में छात्रों का ड्रॉपआउट को कम करना। ग्रामीण भारत में, विशेषकर बालिकाओं में, स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। एआई आधारित स्व-गति शिक्षा से वे बच्चे भी पढ़ सकते हैं जिन्हें घर में काम करना पड़ता है। राजस्थान की 'स्माइल 2.0' परियोजना ने यह दिखाया कि जब लड़कियों को व्हाट्सअप पर व्यक्तिगत एआई पाठ मिले तो उनकी उपस्थिति और परीक्षा परिणाम दोनों में व्यापक सुधार दिखाई पड़े।

लेकिन इन तमाम उज्ज्वल तस्वीर के पीछे कुछ अँधेरे कोने भी हैं जहाँ, सबसे बड़ी बाधा डिजिटल अवसंरचना का अभाव है। ट्राई के अनुसार अभी भी भारत के हजारों गाँवों में मोबाइल इंटरनेट की पहुँच अनिश्चित है। एआई उपकरणों को बिजली की अनियमित आपूर्ति निष्क्रिय कर देती है। इसके अलावा, अभिभावकों की डिजिटल अनभिज्ञता एक बड़ी रुकावट है- जब माता-पिता स्वयं स्मार्टफोन नहीं जानते तो बच्चे का एआई आधारित होमवर्क घर में कैसे होगा? एक और गंभीर प्रश्न है- यदि एआई अंग्रेजी या शहरी संदर्भों पर आधारित डेटा से प्रशिक्षित है तो वह ग्रामीण परिवेश, स्थानीय खेती, त्यौहार और सांस्कृतिक वास्तविकताओं को कितना समझेगा?

इस प्रकार की चुनौतियों के समाधान के लिए कुछ नवाचार भी हो रहे हैं। इस दिशा में आईआईटी बॉम्बे का ''ज्ञानकोश' और इग्नू का 'श्याम प्लेटफॉर्म ऑफलाइन मोड में भी उपलब्ध हैं। इस दिशा में कुछ और निजी संस्थाएं जैसे- ग्राम तरंग ने ग्रामीण स्कूलों में सोलर-चालित टैबलेट लैब स्थापित कर रही हैं जहाँ एआई टूल्स बिना इंटरनेट के काम करते हैं। यदि सरकार पीएम ई विद्या योजना को व्यापक तौर पर एआई से जोड़े और हर ग्राम पंचायत में एक 'डिजिटल शिक्षा केंद्र' बने- तो यह सपना साकार हो सकता है।

एआई का यह उज्ज्वल चित्र कुछ गंभीर सवाल भी उठाता है। यदि बच्चे हर उत्तर एआई से माँगने लगें तो स्वतंत्र चिंतन की क्षमता कुंद हो सकती है। डेटा गोपनीयता भी इस दिशा में एक बड़ी चुनौती है। बच्चों के व्यवहार और प्रगति का डेटा किसके हाथ में जाएगा, इसकी जवाबदेही अभी भी सुनिश्चित नहीं है। एआई को शिक्षा का पूरक मानना चाहिए, प्रतिस्थापन नहीं। जब तक भारत के हर गाँव में बिजली, इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता नहीं पहुँचती, एआई की यह क्रांति अधूरी रहेगी।

एआई आधारित शिक्षा का भविष्य न केवल संभव है, बल्कि आवश्यक भी है। जब एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें, एआई के साथ 'बातचीत' कर सकेंगी इस दिशा में एनसीईआरटी ने दीक्षा प्लेटफार्म पर आस्क दीक्षा चैटबॉट के माध्यम से बेहतरीन कार्य कर रहा है, जब बिहार के किसी सुदूर गाँव का बच्चा वही अनुकूलित शिक्षा पाएगा जो दिल्ली और मुंबई के बड़े विद्यालय में मिलती है तब शिक्षा वाकई में समतामूलक होगी। गृहकार्य का स्वरूप बदलेगा- कापी पर लिखे 20 सवालों से हटकर वह बनेगा-एक एआई के साथ संवाद, एक परियोजना की रूपरेखा, एक समस्या का रचनात्मक हल। इस एआई युग में शिक्षक और अधिक मानवीय भूमिका में होगा। एआई युग में 'यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार'- यही एआई युग की शिक्षा का सबसे बड़ा सत्य है। (लेखक केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रिसर्च स्कॉलर हैं। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'? क्या ड्रैगन के चंगुल में फंसता चला जा रहा है हाथी?

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है।

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है।

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।

मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं।

इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी।

बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूएस शांति प्लान को ईरान द्वारा ठुकराए जाने के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ क्या हैं?

ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15-सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को अत्यधिक बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी-इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं।

(कमलेश पांडे)

अंतर्राष्ट्रीय युद्ध विशेषज्ञ बताते हैं कि ईरान द्वारा यूएस शांति योजना अस्वीकृति से मध्य पूर्व युद्ध अनिश्चितकाल तक लंबा खिंच सकता है, क्योंकि कोई नया समझौता होता नहीं दिखाई दे रहा है। वहीं, जिस तरह से पहले यूक्रेन के पीछे पूरा यूरोप/अमेरिका खड़े थे, अब ईरान के पीछे रूस/चीन जैसे कद्दावर देश खड़े हो चुके हैं।

यदि आप देश-दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने के बजाए लाभप्रद और वर्चस्वमय हिंसा-प्रतिहिंसा को बढ़ावा देने की सीख सिखाने के आदी हो चुके हैं, तो सावधान हो जाइए। यह आपकी अप्राकृतिक हरकत है जिसकी कीमत आपको कभी न कभी चुकानी ही पड़ेगी। यह अकाट्य सत्य है क्योंकि देर-सबेर हुतात्माओं/निरीह पशु-प्राणियों के आत्मा के चक्रव्यूह (जबरदस्त गोलबंदी) में आप घिरेंगे और फिर आपके साथ भी वही होगा, जिसके सबक बेदर्द इतिहास के पन्नों में भरे पड़े हैं।

जो बोइयेगा, वही काटियेगा, यह प्रकृति का अपरिवर्तित नियम है। सनातन धर्म में अकाल मृत्यु का स्रोत ऐसे ही प्रारब्ध जनित कर्मों का प्रतिफल है। आतंक उत्पादक और निर्यातक अमेरिका-ईरान इसी अकाट्य नैसर्गिक नियम के शिकार होते प्रतीत हो रहे हैं, फिर भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आई है, जबकि इजरायल तो अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए जूझ रहा है। वह धर्मयुद्ध का शिकार है। वह अल्पसंख्यक यहूदी होने की कीमत चुका रहा है। वहीं, शांतिप्रिय और गुटनिरपेक्ष देश भारत चाहकर भी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना सबके दिलोदिमाग में नहीं जगा पा रहा है। उसके सर्वे भवंतु सुखिनः वाली सोच की धज्जियां पाकिस्तान उड़ा-उड़वा रहा है।

इसलिए सबको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध हो या भारत-पाकिस्तान युद्ध या फिर संभावित चीन-ताइवान युद्ध, या फिर अन्य द्विदेशीय सीमा संघर्ष, सबको टालना, टलवाना जरूरी है। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को कठोर होना पड़ेगा। वीटो पावर प्राप्त पांचों देशों को और अधिक जिम्मेदार बनना पड़ेगा। हथियारों और दवाओं को कारोबार नहीं, बल्कि सुरक्षा और सेवा के नजरिये से देखना पड़ेगा।

ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15-सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को अत्यधिक बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी-इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं, जैसे युद्ध क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता और हमलों का अंत आदि। इससे संघर्ष लंबा खिंच सकता है, क्योंकि ईरान हमले जारी रखे हुए है।

इस पूरे प्रकरण में कठोर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाएं मिली हैं। जहां अरब-खाड़ी देशों, यथा- सऊदी, यूएई आदि और जॉर्डन ने ईरान की कार्रवाइयों की निंदा की, वहीं परस्पर एकजूट होकर ईरान की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं पर विराम लगाने के उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। साथ ही, यूएनएससी में प्रस्ताव लाया गया।

जबकि अमेरिकी एजेन्ट पाकिस्तान बनावटी मध्यस्थ बना रहा है, लेकिन सबके बीच पारस्परिक अविश्वास गहरा गया है।

विशेषज्ञों के इस युद्ध से जुड़े अनुमान पहले 4-6 सप्ताह के थे, लेकिन अब महीनों या उससे अधिक का खतरा बता रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने युद्ध को 4-5 सप्ताह का बताया था, जबकि पेंटागन ने 4-6 सप्ताह का अनुमान लगाया। लेकिन 26 दिनों बाद भी हमले जारी हैं, ईरान ने भी जबर्दस्त काउंटर किया है। उसने युद्ध रोकने सम्बन्धी एक काउंटर-प्रस्ताव भी रखा हुआ है। वर्तमान स्थिति यह है कि ईरान ने 15-सूत्री योजना को अनुचित ठहराया, और अपनी शर्तें (क्षतिपूर्ति, होर्मुज नियंत्रण) रखीं। वहीं, अमेरिका 50,000+ सैनिक भेज चुका है, जिससे और संघर्ष तीव्र होता जा रहा है।

विशेषज्ञ भविष्यवाणियां दिलचस्प हैं। पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि न्यूनतम 4-5 सप्ताह लेकिन महीनों लग सकते हैं। कुछ विश्लेषक ईरान की हार मानते हैं लेकिन अवधि लंबी होने पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। इसका कोई निश्चित अंत नहीं है, क्योंकि मध्यस्थ असफल दिखाई दे रहे हैं। भले ही ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है, जो पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी अपनी जिद छोड़नी होगी। अन्यथा पूरी दुनिया की आर्थिक बर्बादी तय है।

वैसे तो, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें शामिल हैं। जबकि कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी है, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे। वहीं, पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। उधर, ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है।

ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते है, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते है, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। इसलिए यकायक यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। बल्कि दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी।

चूंकि अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारी बातचीत नाकाम रही है और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। लिहाजा, बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कुलमिलाकर स्थिति जटिल है, और राहें मुश्किल, इसलिए चेत जाने में ही सबकी भलाई निहित है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाजपा नेता के ढाबे में अवैध शराब बेचने व पिलाने की कार्यवाही के बाद राजनीति गरमाई, युवा कॉंग्रेस ने पुतला दहन कर किया विरोध प्रदर्शन

कांकेर। जिले में अवैध शराब कारोबार को लेकर सियासत उबाल पर है। भाजपा नेता ईश्वर कावड़े के ढाबे में अवैध शराब बिक्री का मामला सामने आने के बाद युवा कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाते हुए शहर में उनका पुतला दहन किया। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि भाजपा की नशा मुक्ति मुहिम की सच्चाई पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एक तरफ नशा मुक्ति के नाम पर बड़े-बड़े अभियान चला रही है, वहीं दूसरी तरफ उसके ही नेता खुलेआम अवैध शराब के कारोबार में लिप्त पाए जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह दोहरी नीति जनता के साथ सीधा छल है और सत्ता के संरक्षण में अवैध धंधों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

नशा मुक्ति या नशे का संरक्षण

युवा कांग्रेस ने तीखे शब्दों में हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के कारनामे लगातार उजागर हो रहे हैं। कभी महिलाओं के शोषण के आरोप सामने आते हैं, तो कभी अवैध शराब बिक्री के मामले में एफआईआर दर्ज होती है। इसके बावजूद कार्रवाई के नाम पर सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस नेता द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाने का दावा किया जाता है, उसी के ढाबे में अवैध शराब बिकना इस बात का साफ संकेत है कि अभियान सिर्फ कागजी है और जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

मामले में एक अप्रैल को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ईश्वर कावड़े के ढाबे में दबिश दी, जहां से करीब पाँच हजार रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब जब्त की गई। हालांकि इस कार्रवाई के बाद भी पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। युवा कांग्रेस का आरोप है कि पुलिस जानबूझकर मामले को हल्का दिखाने की कोशिश कर रही है और पूरी सच्चाई को दबाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि यही मामला किसी आम नागरिक से जुड़ा होता, तो अब तक सख्त धाराओं में कार्रवाई हो चुकी होती।

सत्ता संरक्षण का आरोप, बढ़ता आक्रोश

इस घटना के बाद जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। युवा कांग्रेस ने साफ कहा है कि अगर निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार पर नशे के कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

जनता के बीच बढ़ती नाराजगी

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से जनता के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जब जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही कानून तोड़ने लगें, तो व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है। अब देखना होगा कि इस मामले में प्रशासन और सरकार क्या ठोस कदम उठाते हैं, या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह समय के साथ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

अबूझमाड़ के दुर्गम क्षेत्र में 44वीं वाहिनी आईटीबीपी द्वारा किया गया मेडिकल कैंप का आयोजन

नारायणपुर। 44वीं वाहिनी, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) कमांडेंट सिद्धिक पी.पी. के निर्देशन में अबूझमाड़ के अत्यंत दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्र में विशेष मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इनके माध्यम से 4 सीओबी के अंतर्गत आने वाले कुल 14 गांवों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। मेडिकल कैंप के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सा टीम द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस पहल से सैकड़ों ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो सकीं, जिससे उन्हें दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। इसके अतिरिक्त, कैंप में उपस्थित ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू एवं अन्य मौसमी बीमारियों के कारण, लक्षण एवं उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता (पर्सनल हाइजीन) और सैनिटाइजेशन के महत्व पर भी जागरूक किया गया, ताकि क्षेत्र में बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशामुक्ति के प्रति भी जागरूक किया गया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए आईटीबीपी के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई। आईटीबीपी द्वारा इस प्रकार के सिविक एक्शन कार्यक्रम क्षेत्र में सुरक्षा के साथ-साथ जनसंपर्क और विश्वास निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण देश में महंगाई बढ़ गयी: लालू राठौर

बीजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण देश में महंगाई बढ़ गयी है। मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रू. की बढ़ोतरी कर दिया। इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रू. की बढ़ोतरी का होना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार की मोदी सरकार देश में केवल महंगाई बढ़ाने के लिए ही बनी है। लालू रधौर ने अपने विज्ञप्ति में आगे कहा कि पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम में 62 रू की बढ़ोतरी कर दिया। सरकार ने खूब वाहवाही लिया कि पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम कर दिया भाजपा ने इसको सरकार की बड़ी राहत प्रचारित कर रहे थे लेकिन आज ही पेट्रोल के दाम में 1 रू. से अधिक की बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में हुई है। नायरा के पेट्रोल पंप में तो यह बढ़ोतरी 4 रू. की है। और एवीएशन के पेट्रोल मे भी बढ़ोतरी कर दी गयी जिससे हवाई यात्रा भी महंगी हो गई। उन्होंने आगे कहा कि खाद्य तेल, मावा, राशन सामग्री सभी के दाम बेतहाशा बढ़ गये है। दूध के दाम भी बढ़ गये। आम आदमी के किचन का बजट मोदी सरकार ने बढ़ा दिया है।

खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे, लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 200 पार हो गया। घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगता था, उसे 900-1000 तक पहुंचा दिए, कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम आज से 1580 से बढ़कर 1691 हो गया है। भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। लालू राठौर ने अपने विज्ञप्ति में आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम आदमी का जीवन स्तर दिनों दिन खराब हुआ है, सारी राहत और रियायत केवल भाजपाइयों के पूंजीपति मित्रों के लिए है, देश के संसाधन, सार्वजनिक उपक्रम उन्हीं पर लुटाए जा रहे है, आम जनता इस महंगाई में परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। लालू राठौर ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पूर्ववर्ती यूपीए की सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली कांग्रेस को सरकार ने मनरेगा के नाम से रोजगार की कानूनी गारंटी का प्रावधान किया था जिसे मोदी सरकार ने महज योजना में परिवर्तित कर गरीबों का रोजगार का हक छीन लिया है, आम जनता की कमाई लगातार घट रही है, और देश के संसाधनों पर मोदी के पूंजीपति मित्रों का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है यही कारण है कि देश में आर्थिक असमानता सरकार की गलत नीतियों की वजह से ही बढ़ रहा है, और बेलगाम महंगाई से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। लालू राठौर ने अपने विज्ञप्ति में यह भी कहा कि महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है, रेलवे की टिकट से लेकर स्कूल, कॉलेजों की फीस तक सब कुछ कई गुना बढ़ चुका है। सरकार के संरक्षण में तरह-तरह के सेवा शुल्क लगाकर बैंक, आम खातेधारकों को खुलेआम लूट रही है। पेट्रोल, डीजल से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है।

नारायणपुर को मिली 09 नई 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस की सौगात

कलेक्टर नम्रता जैन ने हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को किया रवाना

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया संबल, दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगी त्वरित सहायता

नारायणपुर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य शासन द्वारा 09 नई 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें 08 बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं 01 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस शामिल है, जो आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेंगी। कार्यालय कलेक्टर परिसर में कलेक्टर नम्रता जैन की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नई एंबुलेंस सेवाओं के शुरू होने से जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अब आपातकालीन स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकेगी। दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी या

अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में समय पर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाना संभव होगा, जिससे जीवनरक्षा की संभावना बढ़ेगी। इन एंबुलेंस में उपलब्ध बेसिक और एडवांस लाइफ सपोर्ट सुविधाएं मरीजों को रास्ते में ही प्राथमिक उपचार प्रदान करेंगी, जिससे गंभीर स्थिति में भी उपचार की निरंतरता बनी रहेगी। साथ ही, स्वास्थ्य केंद्रों के बीच समन्वय और रेफरल व्यवस्था भी अधिक प्रभावी होगी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को विस्तारित करेगी, बल्कि जिले में आमजन के विश्वास को भी सशक्त बनाएगी। अब जरूरतमंदों को समय पर इलाज मिल सकेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता दोनों में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि बृज मोहन देवांगन, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. टी.आर. कुंवर, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. विनोद भोयर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजीव सिंह बघेल सहित एनएचएम एवं 108 संजीवनी एक्सप्रेस से जुड़े अधिकारी और चिकित्सकीय दल उपस्थित रहे।

नि:शुल्क फिजिकल ट्रेनिंग के लिए 10 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

नारायणपुर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नारायणपुर द्वारा जिले के युवाओं के लिए निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उन युवाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा, जो पुलिस विभाग सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। जारी सूचना के अनुसार, ऐसे युवक एवं युवतियां जो एसआई, प्लाटून कमांडर, आरक्षक, पुलिस आरक्षक, डीआरजी, सीएएफ, जेल वार्डन, वन रक्षक आदि पदों के लिए तैयारी करना चाहते हैं, उन्हें इस प्रशिक्षण के माध्यम से लिखित एवं शारीरिक दोनों प्रकार की तैयारी कराई जाएगी। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, काउंसलिंग चयन की तिथि 13 अप्रैल, स्थान हाईस्कूल खेल मैदान में नारायणपुर प्रातः 8 बजे से किया जाएगा। आवेदक का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य, आयु 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं या स्नातक उत्तीर्ण, 100 मीटर, 1600 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद आदि में निर्धारित मानक पूरे करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण में उपलब्ध सुविधाएं ओपन जिम एवं खेल मैदान, अनुभवी फिजिकल ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण, लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग, मेंटल एबिलिटी की निःशुल्क कोचिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं लाइब्रेरी सुविधा, टेस्ट सीरीज एवं निःशुल्क आवासीय व्यवस्था रहेगा। यह प्रशिक्षण आईटीबीपी कैंप, भाटपाल विकासखंड नारायणपुर में संचालित किया जाएगा, जहां युवाओं को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों से समय पर पंजीयन कराने की अपील की गई है। अधिक जानकारी के लिए सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

दिव्यांगजनों के लिए तीन दिवसीय नि:शुल्क शिविर का आयोजन

कोंडागांव। जिला प्रशासन कोंडागांव के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों के लिए तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने के साथ-साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाए जाएंगे। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें कृत्रिम अंग (हाथ/पैर) या दिव्यांग प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, वे इस शिविर में उपस्थित हो सकते हैं। शिविर का आयोजन 06 अप्रैल 2026 से 08 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला कोंडागांव (एनसीसी मैदान के पास) किया जाएगा। इच्छुक दिव्यांगजन आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ स्वयं उपस्थित होकर निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक दिव्यांग जनों से शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सड़क एवं पुल का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने मर्दापाल तहसील अंतर्गत ग्राम अदनार एवं तोतर के मध्य निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। भंवरडीन नदी पर 234 मीटर लंबाई के इस पुल के निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित एजेंसी को पुल किनारों की पिचिंग को सुदृढ़ करने तथा शेष कार्यों को वर्षा ऋतु से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व कलेक्टर ने मर्दापाल मुख्य मार्ग से चांगेर हंगवा तक निर्माणाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया। लगभग 12.90 किलोमीटर लंबी इस सड़क के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा लोक निर्माण विभाग को कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मर्दापाल क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों व छात्रावास का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने मर्दापाल तहसील अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्रों एवं आश्रम छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम चेमा स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली तथा भवन के मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की प्राथमिकता से नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर भवन को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखने तथा भोजन निर्माण के लिए गैस सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने लखापुरी स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की

समीक्षा की तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु काउंसिलिंग पर विशेष जोर देने को कहा। कलेक्टर ने मर्दापाल स्थित बाल आश्रम कड़ेनार का भी निरीक्षण कर वहां की आवासीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

अमीन मेमन को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी, एआईसीसी माइनॉरिटी एडवाइजरी कमेटी के सदस्य बने

केशकाल। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन को पार्टी संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की माइनॉरिटी एडवाइजरी कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह कमेटी राष्ट्रीय स्तर की है, जिसमें देशभर से कुल 60 नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें सांसद, विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री और राज्यसभा सांसद जैसे दिग्गज शामिल हैं। खास बात यह है कि इस महत्वपूर्ण कमेटी में छत्तीसगढ़ से एकमात्र सदस्य के रूप में अमीन मेमन को स्थान मिला है। यह कमेटी अल्पसंख्यक समाज से जुड़े मुद्दों को सीधे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने का कार्य करेगी। कमेटी के सदस्य अपनी बात सीधे राहुल गांधी के समक्ष रख सकेंगे, जिससे इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। नियुक्ति के बाद अमीन

मेमन ने पार्टी के शीर्ष नेताओं–राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और इमरान प्रतापगढ़ी–का आभार व्यक्त किया। इस नियुक्ति के बाद छत्तीसगढ़, खासकर कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग में खुशी की लहर है। अमीन मेमन को लगातार बधाइयां मिल रही हैं। राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री सुबोध हरितवाल, कोंडागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि घोष सहित कई नेताओं ने दूरभाष के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा केशकाल क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं, महेन्द्र नेताम, राजेश नेताम, रोशन जमीर खान, फिरोज अडवाणी, पितांबर नाग, पप्पू मांडवी, एनएसयूआई व युवा कांग्रेस पदाधिकारियों, पार्षदों व जनपद प्रतिनिधियों–ने भी मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। अमीन मेमन की इस नियुक्ति को प्रदेश कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की भागीदारी और मजबूत होगी।

उत्कल समाज किरंदुल द्वारा ओडिशा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

किरंदुल। लौह नगरी किरंदुल में उत्कल समाज ने ओडिशा राज्य स्थापना दिवस (उत्कल दिवस) बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। 1 अप्रैल 1936 को भाषाई आधार पर ओडिशा राज्य की स्थापना हुई थी। इस ऐतिहासिक अवसर पर समाज के सदस्यों ने महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ओडिया संस्कृति को जीवंत रखा।नन्हें बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नृत्य, गान और पारंपरिक ओडिया कार्यक्रमों से पूरा माहौल उत्सवपूर्ण हो गया।उत्कल समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि दूर छत्तीसगढ़ में रहते हुए भी हम अपनी जड़ों और भाषा-संस्कृति से जुड़े रहने का प्रयास करते हैं।

ओडिशा राज्य स्थापना के प्रमुख योगदानकर्ता -इस राज्य की स्थापना में कई महापुरुषों का अहम योगदान रहा, जिन्होंने लंबे संघर्ष के बाद ओडिया भाषी क्षेत्रों को एक अलग प्रशासनिक इकाई दिलाई।इनमें मुख्य रूप से शामिल हैं उत्कल गौरव मधुसूदन दास आंदोलन के प्रमुख नेता, उत्कलमणि गोपबंधु दास शिक्षा और राष्ट्रवादी प्रयासों के प्रणेता, फकीर मोहन सेनापति प्रसिद्ध साहित्यकार और समाज सुधारक, महाराजा श्रीराम चंद्र भंज देव महाराजा कृष्ण चंद्र गजपति, इन महानुभावों के अथक प्रयासों से 1 अप्रैल 1936 को ओडिशा एक अलग प्रांत बना,जो भारत में भाषाई आधार पर बने पहले राज्य के रूप में जाना जाता है। उत्कल समाज किरंदुल न केवल स्थापना दिवस बल्कि श्री जगन्नाथ रथ यात्रा जैसी धार्मिक एवम पारंपरिक आयोजनों में भी सक्रिय रहता है। किरंदुल में जगन्नाथ सेवा समिति और उत्कल समाज द्वारा आयोजित रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य झांकी निकाली जाती है।रथ यात्रा के दौरान पूरा इलाका पुरी जैसा वातावरण बन जाता है भक्ति गान, संकीर्तन और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जाती है।किरंदुल जैसे औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले ओडिया परिवारों के लिए उत्कल समाज एक सांस्कृतिक पुल का काम करता है।इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी, एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण, किरन्दुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, एएम/एनएस सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश, उत्कल समाज के अध्यक्ष अविनाश स्वांई, जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक।

बिजली कटौती लेकर पदयात्रा व रेली तथा बिजली दफ्तर घेराव

पखांजुर। पखांजूर ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में मंडल कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस एवं इस्टू के उपस्थिति में लो वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ मरोड़ा से पखांजूर तक हजारों किसानों युवाओं और आम जनता के साथ विशाल पदयात्रा निकालकर पखांजूर बिजली कार्यालय का घेराव किया गया। क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से किसान बेहद परेशान हैं फसल सूख रही है मो नहीं चल पा रही है लेकिन सरकार और बिजली विभाग पूरी तरह से बेपरवाह बना हुआ है। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में किसान सड़क पर उतरे और सरकार व बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। मरोड़ा से शुरू हुई पदयात्रा पखांजूर पहुंची जहां बिजली कार्यालय का घेराव कर अधिकारियों को साफ चेतावनी दी गई कि यदि जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वोल्टेज की समस्या खत्म नहीं हुई और अघोषित बिजली कटौती बंद नहीं हुई तो आने वाले समय में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यह आंदोलन सिर्फ बिजली के लिए नहीं बल्कि किसानों के हक और अधिकार

की लड़ाई है। जब तक किसानों और आम जनता को नियमित बिजली नहीं मिलेगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी नंदू राठी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गुरदीप सिंह ढोढसा, ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रजीत बिस्वास, मंडल अध्यक्ष राजदीप हालदार, रूपसिंह पोटाई, जिला अध्यक्ष राजेंद्र (राजू) दुबे, बिकाश मंडल, सुप्रकाश मल्लिक (मिठू)अमर मंडल, मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ बढ़ाई, मंडल अध्यक्ष भुवन बढ़ाई, अनिवास राय, गोपाल कुंडू, रामेन सरकार, नीलाक्षी बिस्वास, देवली नुरूटी, मनीषा जायसवाल, दामला मंडावी, निहार सरकार, अवनी बिस्वास, हर्षित मृधा, जयलाल प्रधान, मैनी कचलाम, मुकुल पॉल, हरिदास सरकार, बापन मंडल, विकाश हालदार, शिशिर मालाकार, महादेव कुंडू, महादेव राय, बंकिम तालुकदार, स्वपन डे, संतोष सिकदर, विप्लव सिकदर, संतोष कीर्तनिया, हर्षित दास, निरंजन सरदार, भवतरन वाइन, दीपांकर सरकार, सचिन मल्लिक, डिजेन राय, स्वरूप मंडल, राजू हालदार, मिंटू चक्रवर्ती, मनू कोवाची, नीलकंठ खलखो, सानू कोड़ोपी, अजय शील, सहंगू नूरेटी, क्रांतिकारी विचार मंच से हरपाल सिंह, राजेश नूरेटी, जोझल लॉ, जयंत मंडल, समीर हालदार, गणेश ढाली, दुखे राय, जयदेव कीर्तनिया, श्यामल बिस्वास, नेपाल राय, प्रदीप बाईन, दिलीप बिस्वास, गौतम बिस्वास, दीपांकर अरिंदा, रामजी उसेंडी, विनय बिस्वास, रंजन बिस्वास, राजू मिर्धा, प्रहलाद सरकार, अशोक लकड़ा, निताई सरदार, खिरोध बिस्वास, लाला मंडल, पप्पू बिस्वास, विष्णुपद बाला, बबलू बाला, दुर्गा प्रसाद पॉल।

संक्षिप्त समाचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 अंतर्गत दो दिवसीय कुड़ी मंडल प्रशिक्षण वर्ग का हुआ समापन

अम्बिकापुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 अंतर्गत सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा के कुड़ी भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं हेतु 2 व 3 अप्रेल को दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। पार्टी वक्ताओं के द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को पार्टी के सिद्धांत एवं पंच निष्ठा पर चलकर संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए प्रशिक्षित किया तथा दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वक्ता रुपेश दुबे, नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री साहू अनिल अग्रवाल, मनोज गुप्ता , एवं प्रशिक्षण समापन सत्र भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, राजेंद्र जयसवाल चंद्रीका प्रसाद यादव , मंडल अध्यक्ष रवि महन्त, दिनेश बारी, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, महामंत्री विक्रम सिंह, प्रवीण यादव, गोपाल सिंह, निखिल मरावी,लक्ष्मण सिंह, संजय गुप्ता, बनवारी आर्मो, खेमराज सिंह, सोनसाए मझवार, विफ्ल लकड़ा सरोज गुप्ता, जया सोनी, जगवंती, सुखनी दास सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

एसईसीएल प्रबंधन कोयला चोरी रोकने में नाकाम आधी रात घुसकर ग्रामीणों का समूह कर रहा कोयला चोरी

अम्बिकापुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत लखनपुर में संचालित अमेरा खदान में लगातार हो रही कूलर चोरी पर अंकुश लगाने में एसईसीएल प्रबंधन नाकाम नजर आ रहा है ग्रामीणों का समूह आधी रात खदान में घुसकर बड़े पैमाने पर कोयला चोरी कर रहे हैं। जिससे शासन को प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व स्थिति हो रही है। कोयला चोरी पर अंकुश लगाने में नाकाम एसईसीएल प्रबंधन पर कई सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। इन दिनों आधी रात ग्रामीणों के द्वारा कोयला चोरी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर कर वायरल हो रहा है। कोयला चोरी होने का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीयप्रबंधन के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। कोयला चोरी के वीडियो सामने आने के बाद कुछ लोगों के खिलाफकानूनी कार्रवाई कर खाना पूर्ति कर दिया जाता है। एसईसीएल प्रबंधन के ओर से कोलेटरी पर अंकुश लगाने को सार्थक कम नहीं उठाया गया है। विगत दिनों पूर्व अमरा खरड़ में कोयला चोरी करने पहुंचे ग्रामीणों के समूह द्वारा किए पत्थर बाजी में ड्यूटी में तैनात जवान घायल हो गया था। घटना के बाद अमेरा खदान के सुरक्षा प्रभारी के द्वारा लिखित शिकायत लखनपुर थाने में की गई थी परंतु अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। अमेरा खदान से लगातार ग्रामीणों के समूह के द्वारा कोयला चोरी को अंजाम दिया जा रहा है। एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध ईट भट्ठों को संचालन की वजह से कोयला चोरी को बढ़ावा मिल रहा है।

अमेरा खदान से कोयला को खपाया जा रहा ईट भट्ठों-

ग्रामीणों के समूह के द्वारा अमेरा खदान से बड़े पैमाने में कोयला चोरी कर आसपास के ईट भट्ठों मे खपाने का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में कुकुर मुट्ठे की तरह संचालित ईट भट्ठों में चोरी के कोयले का उपयोग किया जा रहा है। कार्रवाई नहीं होने के अभाव में एट भट्ठा संचालकों के द्वारा बड़े पैमाने में कोयले को ?2 किलो में खरीद कर सरगुजा सहित कई जिलों के ईद भत्तों और अन्य प्रति में छुपाने का कार्य किया जाता है और मोटी कमाई कर अपनी जेबें गर्म कर रहे हो।

खदान के अंदर और बाहर अवैध वसूली का खेल-

अमेरा खदान में रोड सेल कोयला परिवहन हेतु आने वाले ट्रकों से खदान के अंदर बिल्टी कांटा और लोडर के नाम पर 3700 की वसूली की जाती है। वहीं बाहर में ग्राम पंचायतो के नाम पर 100-100 रुपए की वसूली की जा रही है। अवैध वसूली पर अंकुश लगाने स्थानीयप्रबंधन नाकाम नजर आ रहा है। अवैध वसूली से परेशान ट्रक मालिक इसकी शिकायत पहले स्थानीयप्रबंधन और जिले के अधिकारियों से भी कर चुके है। परंतु किसी भी प्रकार की कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही है। अब देखने वाली बात स्थानीयप्रबंधन और प्रशासन के द्वारा अवैध वसूली पर अंकुश लगाने क्या पहल की जाता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की वित्तीय वर्ष 2025-26 की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यात्री सेवाओं, संरक्षा, माल-ढुलाई, आधारभूत संरचना, डिजिटल पहल तथा तकनीकी नवाचार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए एक बार फिर भारतीय रेल में अपनी अग्रणी भूमिका को सुदृढ़ किया है। इसी संदर्भ में आज महाप्रबंधक सभागार, बिलासपुर में श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वर्ष 2025-26 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष एवं मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

यात्री सेवाओं में उत्कृष्ट वृद्धि

यात्रियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इस वर्ष 8.30 करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12त्न अधिक है। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या 35,469 तथा पैसेंजर ट्रेनों की संख्या 50,407 तक पहुँची। वर्ष के दौरान 4 नई ट्रेन सेवाएँ प्रारंभ की गईं, 7 ट्रेनों का विस्तार किया गया तथा 36 ट्रेन-जोड़ियों में 28 नए ठहराव प्रदान किए गए। यात्रा को अधिक सुरक्षित एवं आरामदायक बनाने हेतु 5 आईसीएफरेकों को आधुनिक एलएचबी कोचों में परिवर्तित किया गया। त्योहारों के दौरान 32 आरक्षित विशेष ट्रेनों के 126 ट्रिप एवं 9 अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाई गईं। पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु भारत गौरव ट्रेनों के 84 ट्रिप संचालित किए गए।

संरक्षा में उल्लेखनीय सुधार- रेल संरक्षा के क्षेत्र में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दुर्घटनाओं में 45त्न की कमी दर्ज की। 18 रोड ओवर ब्रिज एवं 27 रोड अंडर ब्रिज बनाकर 34 लेवल क्रॉसिंग समाप्त किए गए तथा 7 गेटों का इंटरलॉकिंग कार्य पूर्ण किया गया। सिग्नलिंग में सुधार के तहत 11 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तथा 25 स्टेशनों पर थ्रू मॉडिफिकेशन किया गया। 'कवच' प्रणाली के अंतर्गत 101 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में स्थापना के साथ ट्रैक

साइड कार्यों में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई। सभी कोचों में अग्नि-निरोधक प्रणाली, 212 कोचों में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली, 58 स्टेशनों पर फायर अलार्म तथा 343 किमी सुरक्षा फेंसिंग प्रदान की गई।

माल-ढुलाई में नए कीर्तिमान- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 261 मिलियन टन माल-ढुलाई कर नया कीर्तिमान स्थापित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.1त्न अधिक है। इस उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारतीय रेल में द्वितीय स्थान पर रहा। कोयला परिवहन में 199.50 मिलियन टन का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिससे ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिली।

आर्थिक प्रदर्शन में उत्कृष्टता- उत्कृष्ट माल-ढुलाई के परिणामस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कुल ?32,000 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित किया, जिसमें ?30,400 करोड़ से अधिक आय माल-ढुलाई से प्राप्त हुई। परिचालन अनुपात 54.87त्न से सुधरकर 53.30त्न हो गया, जो दक्षता में सुधार का प्रमाण है।

बुनियादी ढाँचा एवं यात्री सुविधाओं का विस्तार- पिछले 10 वर्षों में 1475 किमी लंबी 15 परियोजनाएँ पूर्ण की गईं। वर्तमान वर्ष में 125 किमी नई लाइन का कमीशनिंग किया गया तथा 2790 किमी की 41 परियोजनाएँ स्वीकृत एवं प्रगति पर हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 50 स्टेशनों पर कार्य जारी है, जिनमें 17 स्टेशनों पर प्रथम चरण पूर्ण किया जा चुका है। यात्रियों की सुविधा हेतु 14 लिफ्ट, 12 एस्केलेटर, 12 फुट ओवर ब्रिज, 9 प्लेटफॉर्म ऊनयन एवं 9 स्टेशनों पर नए शौचालय बनाए गए। 'रेल मदद' पोर्टल के माध्यम से 51,000 से अधिक शिकायतों का निराकरण किया गया।

डिजिटल पहल में अग्रणी- यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से 20.67त्न अनारक्षित टिकटों की बुकिंग हुई, जिससे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे गैर-उपनगरीय रेलवे में प्रथम स्थान पर रहा। पीआरएस काउंटरों पर डिजिटल भुगतान मार्च 2025 के 8.52त्न से बढ़कर मार्च 2026 में 36.10त्न तक पहुँचा, जो कैशलेस लेनदेन की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 मल्लखंभ प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ.....

■ छत्तीसगढ़ की टीम ने मल्लखंभ में लहराया परचम, बालक-बालिका दोनों वर्गों में बने चैंपियन

अंबिकापुर। खेलो इंडिया ट्राईबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित डेमो खेल मल्लखंभ प्रतियोगिता का शानदार समापन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रोप मल्लखंभ, पोल मल्लखंभ, हैंगिंग मल्लखंभ, पिरामिड मल्लखंभ में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर वहां मौजूद दर्शकों द्वारा तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता के बाद विजेता टीम घोषित किया गया। आज हुई प्रतिस्पर्धा में छत्तीसगढ़ की बालिका टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ विजेता घोषित की गई। विजेता टीमों को शनिवार को आयोजित मेडल सेरेमनी में मेडल प्रदान किया जाएगा। ये रहे चैंपियन- मल्लखंभ प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। राज्यों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के लिए दमखम लगाया। छत्तीसगढ़ की टीम ने बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बालक वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम ने 124.35 अंक के साथ गोल्ड, महाराष्ट्र की टीम ने 118.35 अंक के साथ सिल्वर एवं झारखण्ड की टीम ने 86.95 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं बलिका वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम ने 80.15 अंक के साथ गोल्ड, महाराष्ट्र की टीम ने 69.90 अंक के सिल्वर एवं झारखण्ड की टीम ने 49.80 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

प्रधानमंत्री आवास 2.0 के तहत स्वीकृत 52 आवास हितग्राहियों को नगर अध्यक्ष ने प्रदान किया अनुज्ञा पत्र

लखनपुर नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में नगर अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू के अथक प्रयास से लगातार विकास कार्य किया जा रहे हैं वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अधिक से अधिक नगर वासियों को लाभ दिलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास 2.0 लखनपुर नगर के विभिन्न वार्डों के 52 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान किया गया है। 3 अप्रैल दिन शुक्रवार को लखनपुर नगर पंचायत के सभा कक्ष में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू के द्वारा लखनपुर नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों के 52 हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु अनुज्ञा पत्र वितरित किया गया। साथ ही नगर अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू ने जल्द से जल्द हितग्राहियों को आवास निर्माण कराया जाने का आग्रह किया है। अनुज्ञा प्रमाण पत्र वितरण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश साहू सहित आवास हितग्राही मौजूद रहे।

नगरपालिका संपत्तियों की अवैध बिक्री का आरोप,पार्षद ने की निष्पक्ष जांच की मांग

बलरामपुर। नगर पालिका परिषद बलरामपुर में शासकीय संपत्तियों के कथित दुरुपयोग और अवैध विक्रय का गंभीर मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद गौतम सिंह ने इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को लिखित शिकायत भेजते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पार्षद गौतम सिंह ने अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि नगर पालिका परिषद में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) श्री प्रणव राय द्वारा नगरपालिका की विभिन्न संपत्तियों को बिना निर्धारित विधिक प्रक्रिया का पालन किए अवैध रूप से बेच दिया गया है। उन्होंने बताया कि 15 से अधिक टैंकर, एक पुराना एचएमटी ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा पुराने बाजार का शेड भी बिना सक्षम स्वीकृति और नियमानुसार प्रक्रिया अपनाए विक्रय कर दिया गया।मामले को और गंभीर बनाते हुए पार्षद ने बताया कि 2 अप्रैल 2026 की सुबह एक टैंकर, जिसे लगभग 20 हजार रुपये में दीपक गुप्ता को बेचा गया था, वह वार्ड क्रमांक 12 स्थित एक वेल्डिंग शॉप से बरामद किया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी बलरामपुर को पृथक से शिकायत भी दर्ज कराई गई है।शिकायत में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी शासकीय संपत्ति के विक्रय के लिए परिषद की स्वीकृति, खुली निविदा प्रक्रिया, पारदर्शिता और विधिवत अभिलेखीकरण अनिवार्य होता है। किंतु इस मामले में इन सभी नियमों की अनदेखी की गई है, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला गंभीर अनियमितता, शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग और संभावित भ्रष्टाचार का प्रतीत होता है।

भाजपा-परसा और नवानगर मंडल प्रशिक्षण महाभियान का भव्य समापन अंबिकापुर में

■ भारत सिंह सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं को किया प्रेरित , वहीं संजय मित्तल ने प्रशिक्षण की सराहना की

अंबिकापुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भाजपा मंडल परसा और नवानगर के संयुक्त प्रशिक्षण सत्र का समापन अग्रसेन भवन अंबिकापुर में संपन्न हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता अग्रवाल सभा सरगुजा के जिला अध्यक्ष संजय मित्तल ने की, जबकि विषय वक्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। समापन सत्र को संबोधित करते हुए भारत सिंह सिसोदिया ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के युग में कार्यकर्ताओं का निरंतर प्रशिक्षण अनिवार्य है, क्योंकि यह न केवल व्यक्तिगत क्षमता बढ़ाता है, बल्कि संगठन को मजबूत और अनुशासित बनाता है। सिसोदिया ने जोर देकर कहा कि प्रशिक्षण के बिना कार्यकर्ता केवल संख्या मात्र रह जाते हैं, लेकिन प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही भाजपा को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाते हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपनाकर हम एकात्म मानववाद की दिशा में अग्रसर होंगे, जो हमें अन्य दलों से अलग करता है। इस अवसर पर अध्यक्ष संजय मित्तल ने भाजपा द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण महाभियान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश की कोई अन्य राजनीतिक पार्टी इस पैमाने पर व्यवस्थित प्रशिक्षण नहीं चलाती। यही कारण है कि भाजपा के अनुशासित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता संगठन को अद्वितीय ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। अंत में, विषय वक्ताओं और सत्र अध्यक्षों को शॉल, श्रीफल तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, परसा मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल, नवानगर मंडल अध्यक्ष बाली चरण यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रह

लुण्ड्रा के चितरपुर में श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया गया

■ सात दिनों तक भक्तिमय माहौल से सराबोर रहेगा समुचा चितरपुर अंचल

लुण्ड्रा। लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत चितरपुर में बिगत कई वर्षों से चली आ रही श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ शिव मंदिर प्रांगण में की जा रही है जहां । 3 अप्रैल शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ संगीतमय भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञानयज्ञ महोत्सव का शुभारंभ बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया , जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश लेकर भक्ति गीतों के साथ पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच निकली यह यात्रा पूरे गांव में आकर्षण का केंद्र रही। इसके पश्चात विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा स्थल पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया । आयोजकों ने बताया कि यह साप्ताहिक ज्ञानयज्ञ महोत्सव आगामी सात दिनों तक चलेगा, जिसमें अयोध्या धाम के प्रसिद्ध कथावाचक प्रकाशचंद्र जी महाराज के पवित्र मुखारविंद से प्रतिदिन 3 से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन होगा इसके अलावा 4 अप्रैल को महाभारत कथा 5 अप्रैल को विदुर कथा शिव विवाह 6 अप्रैल को श्री कृष्ण जन्मोत्सव 7 अप्रैल को बाल लीला गोवर्धन पूजा 8 अप्रैल को रासलीला रुक्मणी विवाह 9 अप्रैल को सुदामा चरित्र परीक्षित मोछ एवं कथा के अंतिम दिवस10 अप्रैल को तुलसी वर्णन सहस्त्रधारा चढ़ोत्तरी एवं पूर्ण आहुति हवन के साथ भागवत कथा का गरिमामय

समापन किया जाएगा । कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश दिए जाना मुख्य उद्देश्य है। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु आज पहले दिन से ही पहुंच श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कर पूर्ण के भागी बन रहे हैं । आयोजन समिति ग्राम चितरपुर ग्राम ककनी ग्राम डुमरडीह ग्राम सपड़ा ग्राम भेडिया . ग्राम रवई ग्राम कछार के पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा ग्रामीणजन सक्रिय रूप से लगे हुए आज कलश यात्रा में मुख्य रूप से लुण्ड्रा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष व जनपद सदस्य कर्रा पूर्व जनपद अध्यक्ष गंगा प्रसाद कलश शोभा यात्रा में शामिल हुए एवं कथा वाचकवी श्रीमद् भागवत काआशीर्वाद ग्रहण किया । आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

31 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार.....

■ नशे के खिलाफ अभियान के तहत फरहदा गांव में रेड, शराब बनाने के उपकरण भी जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के सीपत थाना क्षेत्र में अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ग्राम फरहदा के डिपरापारा में सीपत पुलिस ने रेड कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में चल रहे नशा के विरुद्ध अभियान के तहत की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी, जहां आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी अशोक केंवट (29 वर्ष) के कब्जे से करीब 31 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 11,400 रुपये बताई जा रही है। साथ ही शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे एलुमिनियम का बर्तन (डेचका) और पाइप लगे स्टील के बर्तन भी जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(1) (क)(च) और 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। सीपत पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियो का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क मे आती है बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ो से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने मे मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है।

अपनी आखो को लुब्रिकेट करे

हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते है उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखो मे आई ड्रॉप्स डालने से आँखो की चिकनाई बरकरार रहती है।

सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखो पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

गैस और एसिडिटी की दवाएं बंद करें, आजमाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं है, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते हैं। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोजेन जैसी कोई दवाएं ले रहे हैं, तो आप बड़ी गलती कर रहे हैं। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते है। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने मे जलन, एसिड रिफलक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको दवाओं पर डिपेंड होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाए और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक वो चबना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिक्स कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

सुबह खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही है जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक है। इनमें सोडियम कार्बोनेट होता है, जो शरीर के पोषक तत्वों को पी जाता है।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने मे तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियो में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप मे कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने मे मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल मे एंटी-इंफलेमेटरी गुण भी पाए जाते है जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हार्ट डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट मे प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

गर्मी में पीजिए ये ड्रिंक्स

इंसान भले घर में हो या घर से बाहर लेकिन गर्मी में थकान, सिर दर्द, सुस्ती, नींद आना आम बात है। हालांकि इन सभी क्रियाओं का असर काम पर भी पड़ता है और पूरा दिन ऐसे ही गुजर जाता है। लेकिन कुछ समर ड्रिंक्स है जिन्हें आप कभी भी पी सकते हैं, इससे आपके अंदर तरावट भी बनी रहेगी और आलसीपन भी नहीं रहेगा। तो आइए जानते हैं समर टॉप 5 ड्रिंक्स के बारे में

छाछ- जी हां, गर्मी के साथ ही कोरोना वायरस के लिहाज से यह काफी सेहतमंद है। खाना खाने के बाद आप इसे कभी भी पी सकते हैं। इससे गर्मी में पाचन तंत्र भी अच्छा होता है और टेस्ट में भी स्वादिष्ट होती है। हालांकि छाछ और दही का कभी भी शाम 5 बजे के बाद सेवन नहीं करना चाहिए।

कैरी पना- गर्मी में कैरी का पना पीने से लू नहीं लगती है। खट्टा होने के कारण यह इम्युनिटी बढ़ाने के लिहाज से काफी अच्छा पेय है। बेहतर होगा खट्टे फलों का सेवन रात को नहीं करें। खाना खाने के बाद इसे पीने से पाचन तंत्र अच्छा रहता है और शरीर मे तरावट भी बनी रहती है।

ठंडाई- जी हां, बाजार में इसका पैकेट आसानी से उपलब्ध हो जाता है और आप चाहें तो घर पर भी बना सकते हैं। घर पर बनाने के लिए आपको खस के दानों को 3 से 4 घटे पहले भिगोना है। पहले उसे अच्छे से मिक्सर में पीस लें। उसके साथ थोड़ी सी काली मिर्च भी मिक्स कर दें। पीसने के बाद वह पेस्ट दूध में मिक्स कर दें। आपकी ठंडाई तैयार है। इसे पीने से भूख भी कम लगती है और शरीर में भी ठंडक पहुचती है।

आंवले का शरबत- जी हा, गर्मी मे आंवले का शरबत पीने से एकदम ताजगी महसूस होती है। यह विटामिन की कमी को भी पूरा करता है। आंवले का शरबत आंख और बालों के लिए भी फायदेमंद है।

बेल का शरबत- गर्मी में ठंडक और तंदुरुस्ती बनाए रखने के लिए बेल का शरबत सबसे अधिक कारगर है। इसमें मौजूद विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम सहित अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह इम्युनिटी भी बढ़ाता है।

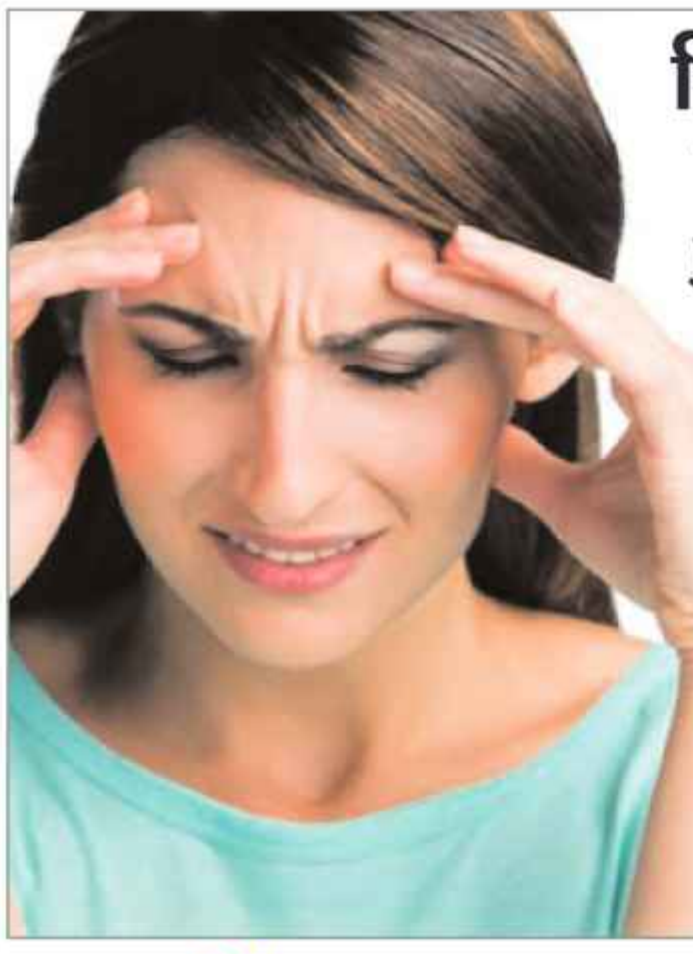

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नहीं है। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहासे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने मे कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते है इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों मे खिचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

रामपुर भाड़ व सुरुजपुरा के लोक महोत्सव में झलकी संस्कृति की समृद्ध विरासत

विधायक दीपेश साहू ने बढ़ावा कलाकारों का उत्साह

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रामपुर भाड़ में आयोजित छत्तीसगढ़ स्तरीय द्वि-दिवसीय लोक महोत्सव एवं ग्राम सुरुजपुरा में नवयुवक बजरंग समिति व समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित जस झांकी एवं लोक कला महोत्सव में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही ग्रामवासियों ने फूल-मालाओं एवं आतिशबाजी के साथ उनका भव्य स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक साहू ने भगवान श्री राम एवं मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोकनृत्य, जस झांकी एवं लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह एवं उल्लास से सराबोर कर दिया। विधायक साहू ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन की सराहना की। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि जस झांकी और लोक कला महोत्सव हमारी समृद्ध छत्तीसगढ़ी संस्कृति की जीवंत पहचान हैं। ऐसे आयोजन हमारी परंपराओं, आस्था और लोकजीवन की झलक को एक मंच पर प्रस्तुत करते हैं। जस झांकी के माध्यम से जहां देवी-देवताओं की महिमा और लोकआस्था का दर्शन होता है, वहीं लोक कला महोत्सव हमारे कलाकारों की प्रतिभा, मेहनत और सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में इस तरह के आयोजन होने से हमारी संस्कृति न केवल संरक्षित होती है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है। यह मंच हमारे लोक कलाकारों को पहचान दिलाने के साथ-साथ उन्हें बड़े स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करता है। विधायक साहू ने आगे कहा कि राज्य सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिसमे किसानो को 3100 सौ रूपये की दर से धान खरीदी, छत्तीसगढ़ दीनदयाल उपाध्याय भूमि हीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत भूमि हीन परिवारों को 10 हजार रुपया सालाना दे रही है जिससे उन्हें आर्थिक मजबूती मिल रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। विधायक साहू ने बताया कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार द्वारा नई योजना लाई गई है, जिसमें 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर विवाह सहायता के रूप में आर्थिक सहयोग के रूप मे 1 लाख 50 हजार रुपया दिया जाएगा।विधायक दीपेश साहू ने ग्रामवासियो की मांग पर ग्राम पंचायत रामपुर भांड मे मंच निर्माण, हाई मास्क लाइट और सीमेंटिकरण कार्य जैसे विकाश कार्यों की घोषणा भी की जिससे गांव मे विकाश हो सके और लोगो को आवागमन, बिजली और सांस्कृतिक कार्यक्रमो के आयोजन मे सहूलियत मिल सके। क्षेत्रीय विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेमेतरा विधानसभा में पेयजल समस्या के समाधान के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये की बड़ी योजना अमोरा बैराज की स्वीकृत हुई है। विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नए 6 सब-स्टेशन की स्थापना की जा रही है। क्षेत्र के युवाओ के लिए भव्य नालंदा लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है। भव्य ऑडिटोरियम का निर्माण भी करवाया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना भी की जा रही है व विधानसभा क्षेत्र मे सड़कों, चौक-चौराहों एवं सामुदायिक स्थलों के विकास के लिए लगातार कार्य जारी है। ग्राम रामपुर भाड़ में भी विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगभग 60 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। कार्यक्रम में सरपंच संघ अध्यक्ष रघुबीर पिंटू सिन्हा, कामता प्रसाद वर्मा, राजेंद्र वर्मा, राजू साहू, रामस्वामी परगनिया, रमेश यादव, राजेश यादव, प्रीतम यादव, राजा यादव, गुनीराम रावत, ओमप्रकाश बघेल, सुरेश वर्मा, कीर्ति वर्मा, उषा वर्मा, राहुल वर्मा, ध्रुव, संतोष निर्मलकर, ज्योति साहू, नारायण पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

15 नई संजीवनी एंबुलेंस से बदलेगी बालोद की तस्वीरः अब 15 मिनट में शहर, 30 मिनट में गांव तक पहुंचेगी जीवनरक्षक सेवा

पहली बार शुरू हुई नवजात शिशुओं के लिए विशेष एंबुलेंस सेवा

बालोद। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब आपातकालीन चिकित्सा सहायता पहले से कहीं अधिक तेज, सुलभ और प्रभावी हो जाएगी। जिले को 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवा के अंतर्गत 15 नई एंबुलेंस की सौगात मिली है, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिलना सुनिश्चित होगा। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में इन एंबुलेंसों को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, जनप्रतिनिधि कृष्णकांत पवार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उइके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस पहल की सबसे खास बात यह है कि जिले में पहली बार नियोनेटल एडवांस एंबुलेंस सेवा की शुरुआत की गई है। यह विशेष एंबुलेंस नवजात शिशुओं के लिए अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से लैस है, जो गंभीर परिस्थितियों में शिशुओं की सुरक्षित देखभाल और समय पर उपचार सुनिश्चित करेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 108 संजीवनी एक्सप्रेस के तहत 375 नई एंबुलेंसों का लोकार्पण किया गया है। इसी कड़ी में बालोद जिले को यह महत्वपूर्ण सौगात मिली है।

15 एंबुलेंस से बढ़ी क्षमता

प्राप्त 15 एंबुलेंस में 14 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और 1 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस शामिल हैं। इन सभी एंबुलेंसों को जिले के विभिन्न विकासखंडों में तैनात किया गया है, ताकि हर क्षेत्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। नई व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट लक्ष्य तय किया है शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट के भीतर एंबुलेंस उपलब्ध कराना, ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर सेवा पहुंचाना। यह व्यवस्था खासकर दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों के लिए राहत लेकर आई है, जहां अब तक समय पर एंबुलेंस मिलना एक बड़ी चुनौती थी।

एंबुलेंस में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

इन एंबुलेंसों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, जिसमें बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मशीन, ग्लूकोमीटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाइजेशन सुविधा शामिल है। इन सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही प्राथमिक उपचार मिल सकेगा, जिससे गंभीर स्थितियों में जीवन बचाने की संभावना बढ़ेगी।

जनता को मिलेगा सीधा लाभ

इस पहल से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि उनकी गुणवत्ता में भी सुधार होगा। अब जिले के नागरिकों को समय पर, तेज और बेहतर चिकित्सा सहायता मिल सकेगी, जिससे आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने की संभावनाएं और मजबूत होंगी। यह कदम बालोद जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

सीईओ ने किया जनपद पंचायत बेरला के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

बेमेतरा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा प्रेमलता पद्माकर ने जनपद पंचायत बेरला के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर मनरेगा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आजीविका डबरी, रिचार्ज पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, महतारी सदन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पद्माकर ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उन्हें जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से रिचार्ज पिट निर्माण और तालाब निर्माण जैसे कार्यों को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया तथा उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित करने का मार्गदर्शन भी दिया।उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से उनकी वर्तमान आर्थिक स्थिति, आजीविका गतिविधियों और समूह के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए छोटे-छोटे आर्थिक कार्यों को शुरू करने और नियमित रूप से समूह की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पाया कि मनरेगा के तहत संचालित अधिकांश कार्य संतोषजनक है और निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जाए। इस दौरान दीप्ति मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला, अरविंद कश्यप कार्यक्रम अधिकारी महात्मा गांधी नरेगा, आसित गोलछा अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित जनपद के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने ग्रामीण विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

पेयजल संकट से राहत के लिए अमोरा इंटकवेल का निरीक्षण किया नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने

बेमेतरा। आमोरा क्षेत्र में बढ़ते पेयजल संकट को देखते हुए इंटकवेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आम जनता को जल्द से जल्द राहत मिले, इसके लिए विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि क्षेत्र में पानी की समस्या को दूर करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिनमें इंटकवेल की मरम्मत, पाइपलाइन सुधार एवं जल आपूर्ति को सुचारू बनाने के प्रयास शामिल हैं। संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और समय-सीमा के भीतर सभी काम पूरे किए जाएं। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही उन्हें पेयजल संकट से राहत मिलेगी।इस अवसर पर सभापति गौरव साहू नगर पालिका मुख्य अधिकारी नरेश वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुलमुला पोल्ट्री फार्म की बदबू से मुक्ति दिलाने एवं जांच हेतु कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। मुलमुला पोल्ट्री फार्म की बदबू से मुक्ति दिलाने एवं जांच हेतु कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया इस संबंध में बेमेतरा जिला पंचायत सदस्य हरीश पंचु साहू ने कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के ग्राम मुलमुला में संचालित पोल्ट्री फार्म से निकलने वाले बदबू के कारण बीस गांव के लोगों का जीवन यापन बाधित है जिसके कारण गांव में मेहमान नहीं रुक रहे हैं और न ही बाराती भोजन नहीं कर रहे हैं, रात में लोगों को सोने में दिक्कत आ रही है गांव के घरों में कुलर पंखे चलाने में दिक्कत आ रही है प्रदुषण के कारण बच्चों शिशुवती, गर्भवती महिलाओं को बेचैनी का सामना करना पड़ रहा है इसलिए विभिन्न बिंदुओं पर जांच कराते हुए न्याय प्रदान करे अन्यथा आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा इसके लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा जांच करने के लिए बिंदु दिया गया है जिसमें पोल्ट्री फार्म से निकलने वाले बदबू का आम लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव, आंगनबाड़ी केंद्र में जाने वाले बच्चों पर प्रभाव, स्कूली छात्रों पर पड़ रहे प्रभाव, शिशुवती गर्भवती महिलाओं पर प्रभाव, पोल्टी फार्म में कार्यरत कर्मचारियों का श्रम विभाग में पंजीयन रिकॉर्ड को जांच किया जाए तथा पोल्ट्री फार्म में रहने वाले बाहरी लोगों का थाना में दर्ज रिकॉर्ड का जांच किया जाए पोल्ट्री फार्म की खराब जल कचरा निकासी जमीन का समूचा राजस्व रिकॉर्ड का जांच हो, पोल्ट्री फार्म में भंडारित डीजल पेट्रोल की मात्रा अनुमति और पोल्ट्री फार्म के सभी वैध दस्तावेज का जांच जरूरी है।

छत्तीसगढ़ की स्टार फुटबॉलर किरण पिस्दा के संघर्ष की कहानी

किरण भारत के लिए खेल चुकी हैं और क्रोएशियन महिला लीग में डिनामो ज़ाग्रेब के लिए भी खेली हैं

बालोद। जब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान बालोद की बेटी किरण पिस्दा ने गोलकीपिंग के दस्ताने पहने, तब वह अपने अब तक के अनुभवों पर भरोसा कर रही थीं। उन अनुभवों पर, जिन्होंने चुनौतियों और निराशाओं के बीच उन्हें और अधिक मजबूत बनाया। 24 साल की उम्र में किरण अपने खेल कौशल के शिखर पर नजर आती हैं। वह यूरोप में लीग फुटबॉल खेल चुकी हैं और अब बड़े अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दहलीज पर हैं। हालांकि, उनका यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा, भले ही उन्हें स्कूल और परिवार से शुरुआती समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश पिस्दा, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने। किरण ने पायनियर से कहा, मुझे स्कूल में काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके मिले और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। इसके बाद किरण शारीरिक शिक्षा में डिग्री हासिल करने के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलावा मिला।

चाहे कुछ भी हो जाए, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी : किरण

किरण बताती हैं, उस समय मैं शारीरिक रूप से उतनी फिट नहीं थी और मेरा मानसिक स्तर भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं था। यही कारण रहा कि उस राष्ट्रीय शिविर में उन्हें भारतीय टीम के लिए चयन नहीं मिला। वह कहती हैं, मुझे एहसास हुआ कि वहां जो अनुभव मिला है, उस पर मुझे काम करना होगा। इसके बाद उनके जीवन में आत्म-सुधार का एक कठिन दौर शुरू हुआ। उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया, मैचों का विश्लेषण करना शुरू किया और अपनी पोजिशनल समझ को बेहतर बनाया। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव उनकी मानसिकता में आया। वह कहती हैं, मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी। अगर आप नकारात्मक हो जाते हैं, तो उसका सीधा असर आपके प्रदर्शन पर पड़ता है। इस बदलाव में उनके मेंटर और कोच योगेश कुमार जांगड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किरण ने कहा, जब भी मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हूं या मन खराब होता है, तो मैं उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

अब राष्ट्रीय टीम के लिए फुल-बैक के रूप में खेलती हूं

किरण की मेहनत का असर धीरे-धीरे दिखने लगा। घरेलू स्तर पर उनके प्रदर्शन ने केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों के दरवाजे खोले, जहां उन्होंने खुद को और निखारा। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी बहुमुखी प्रतिभा बन गई। वह कहती हैं, मैंने स्ट्राइकर के रूप में शुरुआत की, फिर मिडफील्ड में खेली और अब राष्ट्रीय टीम के लिए फुल-बैक के रूप में खेलती हूं। एक फुटबॉलर के रूप में आपको अपनी टीम के लिए कई पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। किरण कई बार भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह 2022 के सैफचैंपियनशिप स्क्वाड का हिस्सा रही हैं और क्रोएशियन महिला लीग में डिनामो ज़ाग्रेब के लिए भी खेल चुकी हैं। फिर भी, इस मुकाम पर भी असफलताएं उनके सफर का हिस्सा रही हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एएफसी महिला एशियन कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए चयन न होना उनके लिए एक और परीक्षा थी।

टीम अच्छा कर रही होती है, तो हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा होता है

किरण कहती हैं, बड़े टूर्नामेंट के लिए चयन न होना दुख देता है। हर खिलाड़ी इसे महसूस करता है। लेकिन अब मैं इसे अलग नजरिए से देखती हूं। इसे मैं और मेहनत करने और मजबूत वापसी करने की प्रेरणा मानती हूं। दबाव को संभालना उनकी पहचान बन चुका है। चाहे टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा हो या अहम मैचों में प्रदर्शन, उन्होंने खुद को संयमित रखना सीख लिया है। वह कहती हैं, ऊंचे स्तर पर खेलते समय दबाव हमेशा रहता है। आपको उसे संभालना सीखना पड़ता है। किरण टीम के प्रदर्शन की भूमिका को भी महत्वपूर्ण मानती हैं। उन्होंने कहा, अगर टीम अच्छा कर रही होती है, तो हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा होता है। लेकिन जब टीम हार रही होती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन भी प्रभावित होता है। जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाली किरण दूर-दराज के इलाकों के खिलाड़ियों की चुनौतियों को अच्छी तरह समझती हैं। उनका मानना है कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मंच इस अंतर को पाटने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मैं लगातार खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं : किरण

उन्होंने कहा जनजातीय इलाकों में बहुत प्रतिभा है, लेकिन खिलाड़ियों को हमेशा मौके नहीं मिलते। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया है। इससे उन्हें आत्मविश्वास और राज्य तथा देश के लिए खेलने का सपना देखने की प्रेरणा मिलती है। जहां तक किरण का सवाल है, उनका फोकस फिलहाल इंडियन वुमेंस लीग जैसी घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय टीम में नियमित जगह बनाने पर है। लेकिन उनका लक्ष्य इससे कहीं बड़ा है। वह कहती हैं, मैं लगातार खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं, नियमित प्रदर्शन करना चाहती हूं और बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं। अगर आपका चयन नहीं होता, तो इसका मतलब यह नहीं कि आप अच्छे खिलाड़ी नहीं हैं, इसका मतलब है कि आपको और मेहनत करनी होगी।

जगन्नाथ धाम में आस्था का संगम: पुनर्गठन के बाद जिला प्रेस क्लब बालोद की पहली तीर्थ यात्रा बनी यादगार

बालोद। आस्था, एकता और सामूहिक अनुभव की अनूठी मिसाल पेश करते हुए जिला प्रेस क्लब बालोद ने अपने पुनर्गठन के बाद पहली चार दिवसीय तीर्थ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न की। अध्यक्ष संतोष साहू के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में 22 पत्रकार साथियों ने भाग लिया। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि आपसी समन्वय, सौहार्द और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी सशक्त माध्यम बनी। यात्रा का प्रमुख आकर्षण पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन रहा। सभी पत्रकारों को गर्भगृह के समीप से दर्शन करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ, जिसने इस अनुभव को अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय बना दिया। मंदिर परिसर में व्याप्त भक्ति और श्रद्धा के माहौल ने सभी को गहराई से आध्यात्मिक अनुभूति कराई। इस दौरान सभी सदस्यों ने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति के लिए प्रार्थना की। इस तीर्थ यात्रा के दौरान दल ने साक्षीगोपाल मंदिर, भुवनेश्वर स्थित प्राचीन लिंगराज मंदिर तथा विश्व धरोहर कोणार्क सूर्य मंदिर का भी भ्रमण किया। इन ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के दर्शन से पत्रकारों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अवसर मिला। कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापत्य कला और ऐतिहासिक महत्व ने सभी को विशेष रूप से आकर्षित किया। यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पुरी का पवित्र समुद्र तट रहा, जहां सभी साथियों ने स्नान कर आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का अनुभव किया। समुद्र तट का शांत और दिव्य वातावरण सभी के लिए आत्मिक सुकून का स्रोत बना।

ऐसी धार्मिक यात्राएं संगठन को बनाती है मजबूत

पूरे प्रवास के दौरान भक्ति, उत्साह और भाईचारे का वातावरण बना रहा। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन के साथ-साथ पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों और स्थानीय संस्कृति से परिचय ने इस यात्रा को और भी समृद्ध बना दिया। यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। यात्रा के सफल समापन पर सभी पत्रकारों में हर्ष और संतोष का माहौल देखने को मिला। प्रतिभागियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस तरह की यात्राएं संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ आपसी संबंधों को भी सुदृढ़ करती हैं। इस आयोजन में पत्रकार मोहन दास मानिकपुरी, अरुण उपाध्याय, किशोर साहू, संजय दुबे, विवेक वैष्णव, मोनू चौधरी, संजय सोनी, अनीश राजपूत, जगन्नाथ साहू, देवेंद्र साहू, राजेश साहू, नरेश श्रीवास्तव, दानवीर साहू, राकेश द्विवेदी, शंकर साहू, जागेश्वर सिन्हा, करण सोनी, ऋषि सिन्हा, घनाराम साहू सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। वहीं, इस सफल आयोजन में पत्रकार रवि भूतड़ा, ओम दुवानी, ब्रजेश पांडे, राहुल भूतड़ा, मंजू शर्मा और अफ़ज़ल रिजवी सहित अन्य सहयोगियों का मार्गदर्शन और विशेष योगदान भी सराहनीय रहा। जिला प्रेस क्लब बालोद की यह पहली सामूहिक तीर्थ यात्रा न केवल आध्यात्मिक अनुभव का माध्यम बनी, बल्कि संगठन की एकता, सक्रियता और सकारात्मक दिशा का प्रतीक भी बनकर उभरी।

जय हनुमान के गगनभेदी उदघोष से लहराया भगवा

हनुमान जयंती पर प्रभातफेरी, अनुष्ठान एवं महाप्रसादी वितरण

डोंगरगांव नगर। नगर में हनुमान जयंती परंपरानुसार मनाई गई। दक्षिणमुखी स्वप्राकट्य हनुमंत लला का जन्मोत्सव प्रातःकाल भव्य प्रभातफेरी, दोपहर राम नाम अखण्ड जाप व हवन अनुष्ठान से लेकर रात्रि भंडारा महाप्रसादी व भजन संध्या के साथ संपादित हुआ। प्रभातफेरी में सुमधुर भजनों के मध्य हिंदुत्व की झलक नजर आई। हनुमान जन्मोत्सव का मुख्य आयोजन नगर के किलापारा स्थित दक्षिणमुखी स्वप्राकट्य हनुमान मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। प्रभातफेरी हनुमान मंदिर परिसर से सदर लाईन फौव्वारा चौक से पुराने बस स्टैंड परिसर होते हुए किलापारा से वापस मंदिर परिसर में विसर्जित हुई। प्रभातफेरी में रामदरबार आकर्षण का केंद्र बिंदु रहे। इसके अलावा कलाकारों की भावभंगिमा आध्यात्मिक चेतना बतौर प्रदर्शित हुई। उपरांत 12 बजे से अखण्ड पाठ, अपरान्ह पूजा हवन अनुष्ठान की विधि पूर्ण की गई। संध्याबेला में महाप्रसादी भंडारा के साथ भजन संध्या प्रारंभ हुआ। देर रात्रि तक भक्तगण हनुमान के भजनों में झूमते रहे।

ग्रामीण अंचल में भक्ति की बयार

नगर के वार्ड 13 व 14 में हनुमान जयंती पर हवन व रात्रि में रामायण पाठ एवं भजन संध्या आयोजित किया गया। मेनरोड विद्युत कार्यालय परिसर व पुराना अस्पताल परिसर स्थित हनुमान मंदिर में भी दिनभर पूजापाठ का दौर जारी था। ग्रामीण अंचल के रामपुर, अमलीडीह, अर्जुनी, खुज्जी सहित अनेक गांव भी भगवामय रहे। अनेक गांवों में महाप्रसादी भंडारा आयोजित किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com